



महापौर कुलभूषण गोयल ने सेक्टर – 20 में विकास कार्यों का किया शुभारंभ

पेज-8

संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला

गुरुवार

13 नवंबर, 2025

वर्ष:24 अंक: 140

कुल पृष्ठ:08

मूल्य : 1 रुपया

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

मोटी-मोटी

बातें

दिल्ली धमाके के बाद मिस्र और अर्जेंटीना ने कहा-हम भारत के साथ, आतंकवाद रुकना चाहिए

नई दिल्ली। भारत में मिस्र के राजदूत कामेल जायेद गलाल ने दिल्ली धमाके की कड़ी निंदा की है। आईएनएस के साथ खास बातचीत में मिस्र के राजदूत ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय और मानवीय तौर पर भी एक ही कानून है। कामेल जायेद गलाल ने कहा, 'अपने देश मिस्र की सरकार और जनता की ओर से हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना करते हैं। यह हमारे समाज के लिए सच्चाई का और नाजुक क्षण है और हमें इस कृत्य को वर्गीकृत करने में सतर्क रहना चाहिए।' भारत में मिस्र के राजदूत ने आगे कहा, 'किसी भी आपराधिक मामले को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। हम इसका समर्थन करते हैं। मुझे लगता है कि यही बात अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय कानून पर भी लागू होती है।' वहीं भारत और मिस्र के बीच संबंध को लेकर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को क्रियान्वित करने के लिए दोनों विदेशी मंत्रियों ने एक संपूर्ण रोडमैप पर सहमति व्यक्त की है। दूसरी तरफरालत किरमा मेट्रो स्टेशन के पास हुए एक विस्फोट पर भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो काउर्सिनो ने कहा, 'हमें नहीं पता कि यह आतंकवादी हमला था या नहीं। आज सुबह तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं थी, लेकिन निश्चित रूप से अगर यह पुष्ट हो जाती है कि आतंकवादी हमला हुआ है तो अर्जेंटीना भारत का समर्थन करेगा, जैसा कि हमने इस साल अफ़्रैल में किया था जब कश्मीर में आतंकवादी हमला हुआ था।'

14 से 16 नवंबर तक पलनपुर, मोहाली में आयोजित होने वाले पंजाब घुड़सवारी मेले के दूसरे संस्करण की तैयारियाँ जोरों पर

हिन्द जनपथ

साहिबजादा अजीत नगर- साहिबजादा अजीत सिंह नगर जिला 14 से 16 नवंबर, 2025 तक, मोहाली के पलनपुर गाँव में द मीडो में आयोजित होने वाले पंजाब घुड़सवारी मेले के दूसरे संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। इस बारे में जानकारी देते हुए, अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) सोनम चौधरी, जिन्होंने एस डी एम खरड़ दिव्या पी. और एस पी मुल्लापुर धर्मवीर सिंह के साथ आयोजन स्थल पर तैयारियों का जायजा लिया, ने बताया कि पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विभाग, पंजाब सरकार, के सहयोग से जिला प्रशासन, एसएस नगर के साथ मिलकर, पंजाब की समृद्ध घुड़सवारी विरासत को प्रदर्शित करने और राज्य को पर्यटन एवं खेल उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख तत्व के रूप में स्थापित करने हेतु इस मेले का आयोजन कर रहा है।

इस वर्ष के आयोजन की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि मेले में 23 प्रकार की घुड़सवारी प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी, जिनमें जॉ पॉजिंग, टेंट पेगिंग, ड्रेसेज, हेक्स, क्रॉस कंट्री, पोलो परफॉमेंस और शो जॉिंग डब्ली शामिल हैं, जिसे भारत में पहली बार लॉन्च किया जा रहा है। यह डब्ली घुड़सवारी कौशल का एक अनूदा परीक्षण है, जो प्राकृतिक बाधाओं और असमान भूभाग पर घोड़े और सवार के धीरज, चपलता और समन्वय का परीक्षण करता है।

मेले में एक विशेष अश्व प्रदर्शनी भी होगी जिसमें भारत और विदेशों के विभिन्न नस्लों और रंगों के लगभग 500 घोड़ों को प्रदर्शित किया जाएगा, जो दर्शकों को देश की समृद्ध घुड़सवारी वंशावली का व्यापक अवलोकन प्रदान करेगा। शैली और परंपरा के अनूठे तत्व को समेटे, सिमरन हिल्लों द्वारा क्यूरेट किया गया लाइफस्टाइल फैशन शो आधुनिक फैशन को घुड़सवारी के शानदार प्रदर्शनों के साथ जोड़ेगा, जो दर्शकों को कला, संस्कृति और विरासत का एक यादगार मिश्रण दिखाएगा।

मेले में एक कार्निवल बाजार भी होगा जो खरीदारी और खाने-पीने के स्टॉल, प्रीमियम आउटडोर और घुड़सवारी ब्रांड्स, और स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रदर्शनों के साथ एक रोमांचक माहौल तैयार करेगा, जिससे यह एक परिवारिक अनुभव बन जाएगा।

महाराष्ट्र: एटीएस ने ठाणे और पुणे में संदिग्धों के ठिकानों पर मारा छापा, आतंकवादियों से जुड़े होने का आरोप

पुणे। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के आपस हुए बम धमाके के बाद महाराष्ट्र एंटी-टेरिज्म स्क्वाड (एटीएस) ने ठाणे और पुणे में संदिग्धों के घर पर ४ मारी। इस दौरान एटीएस की टीम ठाणे जिले के मुंबा कोसा इलाके में एक मदरसे के शिक्षक के घर और पुणे के कोंढवा स्थित एक घर पहुंची। यह कार्रवाई बला ही में गिरफ्तार सॉफ्टवेयर इंजीनियर जुबैर इलियास हंगरगेकर के मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से संदिग्धों के नाम उजागर नहीं किए, लेकिन सूत्रों के मुताबिक एक संदिग्ध मुंबा का शिक्षक इब्राहिम आबिदी है, जो जमात-ए-इस्लामिया से जुड़ा बताया जा रहा है। एटीएस ने स्पष्ट किया है कि ये छापेमारियाँ दिल्ली में सोमवार को हुए कार बम विस्फोट से सीधे तौर पर जुड़ी नहीं हैं, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि एंजेंसी जम्मू-कश्मीर, फरीदाबाद और दिल्ली की हालिया गतिविधियों का महाराष्ट्र से किसी संभावित संबंध की जांच कर रही है।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, 'यह मानक जांच प्रक्रिया का हिस्सा है। हम हर संभावित लिंक को खंगाल रहे हैं, ताकि राज्य में सुरक्षा सुनिश्चित रहे।' छापेमारी के दौरान दोनों स्थानों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त की गई। मुंबा के शिक्षक को हिरासत में लेकर कुर्ला स्थित उसके दूसरे घर पर भी तलाशी ली गई।

27 अक्टूबर को एटीएस ने पुणे के कोंढवा से 37 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर जुबैर हंगरगेकर को गिरफ्तार किया था। उसके फोन से पाकिस्तान-आधारित अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट के हैंडलर्स से संपर्क, रेंडिकल पोपगैंग वीडियो और 20 से अधिक युवाओं को 'ऑनलाइन जिहाद' के लिए भर्ती करने के सबूत मिले थे।

दिल्ली ब्लास्ट मामले में पुलिस को बड़ी सफलता, फरीदाबाद से संदिग्ध लाल कार बरामद

फरीदाबाद। दिल्ली में सोमवार की शाम को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए ब्लास्ट में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में पुलिस ने उस संदिग्ध कार को बरामद कर लिया है, जिसकी तलाश की जा रही थी। जानकारी के अनुसार, फरीदाबाद पुलिस ने खंदावली गांव के पास से संदिग्ध लाल रंग की इको स्पोर्ट्स कार (डीएल 10 सीके 0458) बरामद की। यह वही कार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही थी। पुलिस ने बताया कि उमर के नाम पर रजिस्टर्ड है। उमर वही शख्स है, जिस पर दिल्ली ब्लास्ट में इस्तेमाल हुई आई20 कार चलाने का शक जाताया जा रहा है। जांच में सामने आया है कि कई सीसीटीवी फुटेज में उमर को आई20 कार चलाते हुए देखा गया है, जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। पुलिस ने बताया कि उमर की यह इको स्पोर्ट्स कार दिल्ली के ही एक पते पर रजिस्टर्ड है और इस सुराग के आधार पर राजधानी में कई स्थानों पर छापेमारी की गई। इससे पहले कार की तलाश में दिल्ली पुलिस ने शहर के सभी पुलिस थानों, चौकियों और सीमा चौकियों को अलर्ट पर रखा था।

रेल मंत्रालय ने फिरोजपुर—पट्टी रेल लिंक परियोजना (25.72 कि.मी.) को मंजूरी दी : रवनीत सिंह बिट्टू, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री

- रेलवे ने पंजाब के मुख्य सचिव को भूमि के शीघ्र अधिग्रहण हेतु पत्र लिखा**
- परियोजना से लगभग 10 लाख लोगों को लाभ होगा और लगभग 2.5 लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे**

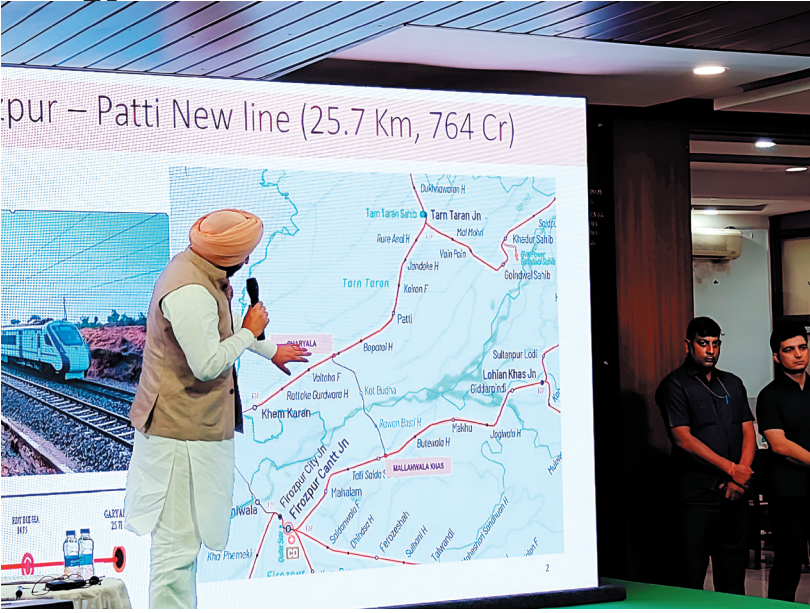
हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। रेल मंत्रालय ने फिरोजपुर—पट्टी रेल लिंक परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना कुल 25.72 किलोमीटर लंबी होगी और इसकी अनुमानित लागत 764.19 करोड़ है, जिसमें से 166 करोड़ भूमि अधिग्रहण के लिए निर्धारित हैं, जो रेलवे द्वारा वहन किए जाएंगे।

आज मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी देते हुए रवनीत सिंह बिट्टू, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने कहा कि यह परियोजना रणनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे फिरोजपुर और अमृतसर के बीच की दूरी 196 किलोमीटर से घटकर लगभग 100 किलोमीटर रह जाएगी, जबकि जम्मू—फिरोजपुर—फाजिल्का—मुंबई कॉरिडोर की दूरी 236 किलोमीटर कम हो जाएगी। यह परियोजना मालवा और माझा क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगी, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार होगा।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, और रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का आभार व्यक्त करते हुए बिट्टू ने कहा कि यह पंजाब के लिए एक ऐतिहासिक उपहार है। नई रेल लाइन जालंधर—फिरोजपुर और पट्टी—खेमकरण मार्गों को जोड़ेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक सीधा और वैकल्पिक संपर्क स्थापित होगा। यह मार्ग रणनीतिक रक्षा महत्व वाले क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जिससे सैनिकों, उपकरणों और आपूर्ति की तेज आवाजाही सुनिश्चित होगी।

रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि इस परियोजना से बड़े पैमाने पर सामाजिक और आर्थिक फायदे होंगे। इससे



लगभग 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा और लगभग 2.5 लाख रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। यह रेल लाइन प्रतिदिन 2,500 से 3,500 यात्रियों के लिए सुविधा प्रदान करेगी, जिससे विशेष

रूप से छात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीण मरीजों को लाभ पहुंचेगा। यह रेल लिंक व्यापार और औद्योगिक विकास को गति देगा, माल परिवहन लागत को कम करेगा तथा कृषि बाजारों तक पहुंच आसान बनाएगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी ढांचे में निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। नई रेल लाइन अमृतसर, जो एक प्रमुख व्यावसायिक, शैक्षणिक और धार्मिक केंद्र है और जहां प्रतिदिन एक लाख से अधिक पर्यटक आते हैं, को फिरोजपुर से तेज और मजबूत संपर्क प्रदान करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह नया मार्ग विभाजन के समय खोए हुए ऐतिहासिक रूट को पुनर्जीवित करेगा, जिससे फिरोजपुर—खेमकरण की दूरी 294 किलोमीटर से घटकर 110 किलोमीटर रह जाएगी।

डीआरएम अंबाला श्री विनोद भाटिया, सीपीएम/निर्माण श्री अजय वाण्ण्य, सीपीएम/आरएलडीए श्री बलबीर सिंह, एडीआरएम फिरोजपुर श्री नितिन गर्ग एवं श्री धनंजय सिंह, इंडीपीजी/रेल राज्यमंत्री भी वहां मौजूद थे।

निर्यातकों को राहत, क्रेडिट गारंटी योजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली- अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर बढ़े आयात शुल्क की मार झेल रहे निर्यातकों को राहत देते हुए सरकार ने उनके लिए 20,000 करोड़ रुपये तक की विशेष क्रेडिट गारंटी योजना की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में निर्यातकों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसई) शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी।

इसके तहत निर्यातकों को कम ब्याज पर उनकी सीमा से 20 प्रतिशत अधिक जमानत-मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि जिस तरह का आज वैश्विक वातावरण है, भू-आर्थिक स्थिति है जिसमें कुछ देश अपनी नीतियों के कारण दूसरे देशों के लिए समस्या पैदा कर रहे हैं, उससे हमारे निर्यातकों को कैसे हम संरक्षण दे सकें, उसे देखते हुए 20,000 करोड़ रुपये की यह योजना लायी गयी है।

योजना के तहत कुल 20,000 करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त ऋण निर्यातकों को उपलब्ध कराया जायेगा। हर निर्यातक को उसके स्वीकृत निर्यात कार्यशील पूंजी सीमा के 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त कार्यशील पूंजी ऋण के रूप में बिना किसी जमानत के मिलेगी।

इसके लिए सरकार राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी न्यास कंपनी (एनसीजीटीसी) के जरिये शत-प्रतिशत गारंटी उपलब्ध करायेंगी ताकि योजना के तहत बैंकों से निर्यातकों को आसानी से ऋण मिल सके। यह योजना 31 मार्च 2026 तक जारी रहेगी।

श्री वैष्णव ने बताया कि इससे वैश्विक बाजार में भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता बढ़ेगी और वे नये बाजारों की ओर रुख कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न मंत्रालयों ने निर्यातकों के साथ विचार-विमर्श के बाद यह योजना शुरू की है। जमानत मुक्त होने के साथ योजना के तहत लिये गये ऋण पर ब्याज की दर को भी सरकार ने सीमा तय कर दी है ताकि निर्यातकों पर बोझ कम पड़े।

बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश: हमलावरों ने गणतंत्र दिवस पर लाल किले पर हमले की साजिश रची थी

नयी दिल्ली- दिल्ली विस्फोट के आरोपी डॉक्टर मुजम्मिल और डॉक्टर उमर ने एक बड़ी आतंकी साजिश के तहत लाल किले की रेकी की थी और इस मौड़यूल की साजिश गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को लाल किले को निशाना बनाने की थी। शीर्ष सूत्र ने यह भी खुलासा किया है कि यह मौड़यूल दिवाली के दौरान भी भीड़भाड़ वाली जगह पर हमले की भी साजिश रच रहा था।

सूत्र ने कहा, 'हमने खुलासा किया है कि उसने कथित आत्मघाती हमलावर डॉक्टर मुजम्मिल ने डॉक्टर उमर के साथ मिलकर जनवरी के पहले हफ्ते में लाल किले की रेकी की थी। यह महत्वपूर्ण जानकारी डॉक्टर मुजम्मिल के फोन के डैप डेटा से प्राप्त की गई थी।'

'यह खुलासा तब हुआ जब सुरक्षा एंजेंसियों के 'डॉक्टर आतंकी मौड़यूल' मामले में महत्वपूर्ण सफलता मिली। 10 नवंबर को शाम 6:52 बजे लाल किले के बाहर हुए विस्फोट के सिलसिले में 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया और तीन को हिरासत में लिया गया। सभी गिरफ्तारियाँ जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा की गईं और अब तक कुल 56 डॉक्टरों से पूछताछ की जा चुकी है।

जांच का पता जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में सुरक्षा बलों को धमकी देने वाले एक आपत्तिजनक पोस्टर से चलता है। इस संबंध में 19 अक्टूबर को मामला दर्ज किया गया था।



10 नवंबर को लाल किले के बाहर हुए विस्फोट के बाद उत्तरी दिल्ली के कोतवाली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस प्राथमिकी में धमाके को बम विस्फोट का नतीजा बताया गया है।

जांच विवरण से पता चलता है कि डॉ. उमर उस चलती आई-20 कार में सवार था जिसमें विस्फोट हुआ था। डॉ. उमर इस मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के लिए वांछित है।

डॉ. उमर ने लाल किला मेट्रो स्टेशन की पार्किंग में लगभग तीन घंटे बिताए, इस दौरान वह लगातार किसी के संपर्क में था। सीसीटीवी विश्लेषण से पता चलता है कि कार दोपहर 3:19 बजे पार्क की गई थी और तीन घंटे बाद शाम 6:48 बजे पार्किंग क्षेत्र से बाहर निकली, उस समय जब क्षेत्र में विशेष भीड़भाड़ थी।

दिल्ली विस्फोट की जांच अब एनआईए कर रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

मंत्रिमंडल ने दिल्ली विस्फोट की कड़ी निंदा की, आतंकवाद को बर्दाश्त न करने की प्रतिबद्धता दोहराई

नयी दिल्ली - केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली कार विस्फोट को जघन्य आतंकवादी घटना बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है और सभी तरह के आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने की नीति के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस घटना में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी और उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। बैठक में विस्फोट की कड़ी निंदा करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। मंत्रिमंडल ने इसे कायदापूर्ण और वृणित कृत्य बताते हुए निंदीष लोगों की मौत की कठोर शब्दों में निंदा की।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया, ' मंत्रिमंडल ने लाल किले के पास कार विस्फोट की आतंकवादी घटना में मारे गए लोगों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया है। मंत्रिमंडल ने मृतक लोगों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा।'

प्रस्ताव में कहा गया है कि कार विस्फोट के माध्यम से देश विरोधी ताकतों द्वारा जघन्य आतंकवादी घटना को अंजाम दिया गया। इस विस्फोट में कई लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग घायल हुए।

मंत्रिमंडल ने सभी तरह के आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने की देश की नीति के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि इस घटना की जांच अत्यंत तत्परता और पेशेवर ढंग से करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि अपराधियों, उनके सहयोगियों और प्रायोजकों की पहचान कर उन्हें शीघ्र न्याय के कटघरे में लाया जा सके। सरकार लगातार सर्वोच्च स्तर पर स्थिति की निगरानी कर रही है।

मंत्रिमंडल ने सरकार की सभी भारतीयों के जीवन और कल्याण की रक्षा करने की प्रतिबद्धता को भी दोहराया और कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा के प्रति उसके संकल्प के अनुरूप है।

मंत्रिमंडल ने सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करने के साथ-साथ घायलों का उपचार करने वाले चिकित्सा कर्मियों और पीड़ितों की सहायता और देखभाल में योगदान देने वाले आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों के त्वरित प्रयासों की भी सराहना की।

प्रस्ताव में कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने दुनिया भर की कई सरकारों से प्राप्त एकजुटता और समर्थन के बयानों के लिए भी अपना आभार प्रकट किया।

मंत्रिमंडल ने अधिकारियों, सुरक्षा एंजेंसियों और नागरिकों द्वारा साहस और करुणा के साथ की गई समयबद्ध और समन्वित प्रतिक्रिया की सराहना की और कहा कि विपति की इस घड़ी में उनका समर्पण और कर्तव्य भावना अत्यंत सराहनीय है।

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी आज भूटान यात्रा से लौटने के बाद हवाई अड्डे से सीधे लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल गए और घायलों से मिले।



वलब महिंद्राधर्मशाला मेंभरे जावेंगेएजीक्यूटिवएवं सुपरवाइजर के पद, साक्षात्कार 18 नवम्बरको

धर्मशाला । क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने सूचित किया है कि वलब महिंद्रा धर्मशाला द्वारा एएजीक्यूटिव एवं सुपरवाइजर (पुरुष एवं महिला) के 02 पद क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी धर्मशाला को अधिसूचित किए गए हैं । इन पदों हेतु शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएट के साथ गुड कम्प्युनिकेशन स्किल रखी गई है तथा आयु 18 से 45 वर्ष तक रखी गई है ।आवेदक को कम्पनी द्वारा 12750 से 17640 रुपये प्रति माह वेतन दिया जाएगा । उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र, मूल प्रमाण पत्र एवं अपना बायोडाटा की कॉपी व अनुभव प्रमाणपत्र यदि हो तो साथ लेकर 18 नवम्बर को सुबह 9 :00 बजे वलब महिंद्रा सिद्धपुर धर्मशाला पहुंचकर कम्पनी के समक्ष साक्षात्कार के लिए उपस्थित हो सकते हैं । उन्होंने बताया कि विभागीय साईट पर साक्षात्कार का व्योरा अपलोड कर दिया गया है । सभी इच्छुक आवेदक को साक्षात्कार में भाग लेने से पहले https://eemis.hp.nic.in पर अपनी ईमेल आईडी या मोबाइल नम्बर से लॉगिन करने के बाद अपने देशेर्षाड पर दिख रही वलब महिंद्रा की रिक्तियों के लिए आवेदन करना होगा । आवेदन के पश्चात ही साक्षात्कार में भाग लिया जा सकता है ।उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए मोबाईल 8091453215 पर भी संपर्क कर सकते है ।

ग्रामीणविकासविभागद्वारा वाटरशेडमहोत्सव का आयोजन

शिमला । ग्रामीण विकास के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश में 11 नवंबर से 16 दिसंबर तक वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है । हिमाचल प्रदेश में राज्य स्तरीय कार्यक्रम 12 नवंबर को पट्टा ब्लॉक में आयोजित किया जाएगा । इस दौरान भूमि पूजन, लोकार्पण और वाटरशेड पुनरुत्थान मिशन का शुभारंभ इत्यादि गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा ।

प्रदेश के सभी ब्लॉकों में जहां प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत वाटरशेड विकास घटक 2.0 लागू है, वहां विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी । महोत्सव के दौरान एक ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लोगों से रील्स और फोटोग्राफ्स आमन्त्रित किए जाएंगे । इस प्रतियोगिता में तीन पुरस्कार 50,000 रुपये के होंगे और 50 फोटोग्राफ्स के लिए 1,000 रुपये प्रति फोटोग्राफ का पुरस्कार दिया जाएगा । महोत्सव के दौरान प्रभात फेरी, नारा लेखन प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा । इन गतिविधियों का उद्देश्य लोगों को योजना के बारे में जागरूक करना और उनकी भागीदारी बढ़ाना है । वाटरशेड पुनरुत्थान मिशन इस महोत्सव का एक महत्वपूर्ण भाग होगा । इसके तहत, वाटरशेड विकास घटक 1.0 के तहत किए गए कार्यों का जीर्णोद्धार और मरम्मत की जाएगी । साथ ही, लोगों द्वारा विकसित की गई वाटरशेड संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें । उन्होंने लोगों से इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया ।

शिमला जल प्रबंधन निगम ने अब तक 1600 से अधिक शिकायतें और पूछताछें सुलझाईं

● 24×7 कस्टमर केयर नंबर 876711–98000 के माध्यम से उपभोक्ताओं को मिल रही त्वरित सेवा सुविधा

शिमला । शिमला जल प्रबंधन निगम (SJPNL) उपभोक्ता सुविधा को लेकर निरंतर संवेदनशील रुख अपनाए हुए है । निगम की ग्राहक सेवा टीम द्वारा अब तक 1600 से अधिक शिकायतें और पूछताछों का सफल निपटारा किया जा चुका है । जल सेवा से संबंधित हर प्रकार की समस्या—बिलिंग, कनेक्शन, कलेक्शन, नेटवर्क मेंटेनेंस, मीटरिंग, मोबाइल/ईमेल अलर्ट, रीडिंग और ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस—अब निगम के 24×7 कस्टमर केयर नंबर 876711–98000 पर आसानी से दर्ज करवाई जा सकती है । SJPNL के प्रवक्ता के अनुसार, निगम की प्राथमिकता उपभोक्ताओं को निर्बाध जल सेवा प्रदान करना है । इसके लिए ग्राहक सेवा केंद्र पूरी तत्परता के साथ कार्यरत हैं ताकि किसी भी शिकायत का समाधान शीघ्रता से किया जा सके । प्रवक्ता ने बताया कि निगम द्वारा शिमला के नागरिकों से यह अपील की गई है कि वे जल आपूर्ति से जुड़ी किसी भी शिकायत, जानकारी या सुझाव के लिए सीधे 24×7 हेल्पलाइन नंबर 876711–98000 पर संपर्क करें । उन्होंने कहा कि इस हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज की गई शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा ताकि उपभोक्ताओं को बेहतर, पारदर्शी और भरोसेमंद जल सेवा उपलब्ध हो सके ।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण के लिए नियुक्त होंगे निजी सर्वेक्षक

सोलन । एग्रीस्टैक के अंतर्गत सोलन जिला में भी डिजिटल फसल सर्वेक्षण करने के लिए निजी सर्वेक्षक नियुक्त किए जाएंगे ।यह जानकारी उप निदेशक कृषि डॉ. देव राज कश्यप ने दी । डॉ. देव राज कश्यप ने कहा कि यह डिजिटल फसल सर्वेक्षण विभिन्न राजस्व ग्रामों में विभिन्न स्तरों पर बोर्ड गाई फसलों के लिए खसरा एवं भू अभिलेख के अनुसार डिजिटल रूप में किया जाएगा । उपनिदेशक कृषि ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार निजी सर्वेक्षक की नियुक्ति के लिए उम्मीदवार की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए । उम्मीदवार के पास वैध आधार कार्ड, बैंक विवरण होना चाहिए । उन्होंने कहा कि ए.टी.एम., बी.टी.एम., पर्यवेक्षक, हिमाचल प्रदेश शिवा, जाइका, एई.ओ., पशु सखी, बेरोजगार बी.एस.ई. के अतिरिक्त कृषि स्नातक, बागवानी स्नातक, वानिकी स्नातक, स्वयं सहायता समूह, पैक्स के सचिव, पटवारी और पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि भी आवेदन कर सकते हैं । उन्होंने कहा कि प्रत्येक सर्वेक्षक को इस सर्वेक्षण के लिए प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित उपयुक्त प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा ।। डॉ. कश्यप ने कहा कि उम्मीदवार को डिजिटल फसल सर्वेक्षण में डाटा संग्रह के लिए एंड्रॉयड फोन पर मोबाइल ऐप्लिकेशन का ज्ञान होना चाहिए । इच्छुक उम्मीदवार केवल एंड्रॉयड फोन के माध्यम से वेबसाइट hpsdc.agristack.gov.in/crop-survey-hp पर अथवा प्ले स्टोर पर उपलब्ध ऐप पर पंजीकरण कर सकते हैं ।

हिमाचल

14.37 करोड़ की पेयजल योजना से 15 हजार लोगों को मिलेगा स्वच्छ जल : केवल सिंह पठानिया

● पठानिया ने किया सामुदायिक भवन का शिलान्यास, एम्बुलेंस सड़क का लोकार्पण

● बोले— तोतारानी में लिखी जा रही है विकास की नई इबारत

शाहपुर । शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने सोमवार को भतल्ला पंचायत के अंतर्गत तोतारानी में 4.50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक ने बताया कि एडीबी के अंतर्गत तोतारानी डूंगन डूँडू सुधे डूङ्गक जलोट पेयजल योजना पर 14.37 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं, जिससे इन पंचायतों के लगभग 15,000 लोगों को निर्बाध पेयजल सुविधा प्राप्त होगी। योजना का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 2.16 करोड़ रुपये की लागत से बर्नेट डूङ्गेरा सड़क का निर्माण



किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी तथा चम्बा की ओर यात्रा का समय घटेगा। यह सड़क पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय आर्थिकी को भी सुदृढ़ करेगी। विधायक ने इसके उपरांत 75 लाख रुपये की लागत से निर्मित इंद्रप्रस्थ होटल तोतारानी से गांव गुजरेहड़ा (वार्ड नंबर 7) तक एम्बुलेंस सड़क का लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि डल झील के सौंदर्यकरण पर अब तक 40 लाख रुपये व्यय किए जा चुके हैं तथा 15 लाख रुपये के अतिरिक्त कार्य प्रगति पर हैं। इसके अलावा तोतारानी साकार महिला मंडल भवन में शीघ्र टाइलें लगाई जाएंगी।

उन्होंने राजस्व,वन तथा लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों की निर्देश दिए कि चांदमारी गांव के लोगों को सड़क से जोड़ने हेतु आपसी समन्वय से काम कर औपचारिकताएं पूरा करें । उन्होंने चांदमारी के लोगों को आश्स्त किया कि उनकी पानी की समस्या भी शीघ्र ही दूर कर दी जाएगी । केवल सिंह पठानिया ने बीडीओ धर्मशाला एवं रेंज अधिकारी धर्मशाला की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए विकास कार्यों को गति देने के लिए धन्यवाद प्रकट किया। उन्होंने साकार महिला मंडल एवं शिव महिला मंडल तोतारानी को 11-11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की तथा तोतारानी तथा



चांदमारी में प्राथमिक विद्यालय के 170 विद्यार्थियों को स्कूल बैग भेंट किए। कार्यक्रम के दौरान गोरखा समुदाय की मुखिया नीला गुर्ग ने मुख्यातिथि का स्वागत कर विभिन्न मांगें रखीं। शिव महिला मंडल की प्रधान अंजू बाला ने महिला मंडल की ओर से आभार व्यक्त करते हुए विधायक को गद्दी समुदाय की पारंपरिक वेशभूषा ‘चोलू-डोरू’ भेंट कर सम्मानित किया। पूर्व बीडीसी सदस्य देश राज ने क्षेत्र में जारी विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार जताया और पंचायत से जुड़ी अन्य मांगें भी रखीं। तोतारानी पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया का भव्य स्वागत किया।

उन्होंने मौके पर लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकांश का स्थल पर ही समाधान करते हुए शेष मामलों को संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के लिए भेजा। इस अवसर पर वैज्ञानिक अधिकारी सुनंदा पठानिया, अधिशासी अभियंता विद्युत विकास ठाकुर, सहायक अभियंता जलशक्ति पंकज, बीडीओ धर्मशाला अभिनीत कल्यान, बीईईओ अनिता, जिप सदस्य रितिका शर्मा, एचआरटीसी बीओडी निदेशक विवेक राणा, रेंज अधिकारी सौरभ शर्मा, सुरेश थापा, लालमन,भरत जरियाल, मोहन थापा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चिकित्सा आपूर्ति और उपकरणों की खरीद तेज, विश्वसनीय और पारदर्शी होनी चाहिए: डॉ. धनी राम शांडिल



शिमला। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने आज यहां उच्च स्तरीय खरीद समिति (एच.पी.पी.सी.) की बैठक की अध्यक्षता करते हुऐ अधिकारियों को स्वास्थ्य से संबंधित उपकरणों और आपूर्तियों की निविदा और खरीद की प्रक्रिया को तेज करने तथा पूरे कार्य को पूर्णतः पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि राज्य के प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य उपकरण, डायग्नोस्टिक और लैब सेवाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं राज्य के सबसे दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंचनी चाहिए और इसके लिए सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अत्याधुनिक मशीनों पूरे प्रदेश में उपलब्ध कराई जाए। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि स्वास्थ्य उपकरणों की खरीद और स्थापना का कार्य यथाशीघ्र पूरा किया जाए ताकि निजी सेवा प्रदाताओं या राज्य से बाहर स्थित संस्थानों पर निर्भरता कम की जा सके। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद सिंह सुक्खू के नेतृत्व में स्वास्थ्य ढांचे के आधुनिकीकरण और मजबूती तथा राज्यभर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में किसी भी प्रकार की वित्तीय कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आवश्यक चिकित्सा आपूर्तियों की खरीद को निर्बाध, तेज और पारदर्शी बनाने के लिए एक विश्वसनीय तंत्र विकसित किया जाए। इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव एम. सुधा देवी और एच.पी.एम.एस.सी.एल. के प्रबंध निदेशक दिव्यांशु सिंगल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. शांडिल 13 नवम्बर को सोलनके प्रवास पर

सोलन । स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल 13 नवम्बर, 2025 को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर आ रहे हैं। डॉ. शांडिल 13 नवम्बर, 2025 को प्रातः 11.00 बजे हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति विकास निगम के सोलन स्थित कल्याण भवन में आयोजित 76वीं निदेशक मण्डल बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

नोएडा सेक्टर-142 और ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो के लिए मंजूरी का इंतजार बढ़ा

नोएडा, एजेंसी। इस बारे में एनएमआरसी के नोएडा को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाले अधिकारियों का कहना है कि बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक मेट्रो रूट पर दोनों रूट को मंजूरी मिल जाएगी। इस इंतजार बढ़ता जा रहा है। सेक्टर-38ए बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक जाने वाली मेट्रो रूट पर सिर्फ केंद्र सरकार की कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार है।इसके अलावा नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 तक जाने वाली मेट्रो लाइन के लिए अभी केंद्र में दो-तीन स्तर पर प्रक्रिया होनी बाकी है। इन दोनों रूट पर मेट्रो चलाने की प्रक्रिया करीब 10 साल से चल रही है, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हो पाया है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आबादी लगातार बढ़ती जा रही है। अन्य कोई भी अर्भी पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) होनी बाकी है। इसके बाद कुछ और प्रक्रिया होने के बाद मंजूरी का नहीं होने के कारण मेट्रो की मांग काफी समय से हो रही है।

ग्रेटर नोएडा के इन 13 सेक्टरों में बाजार और दुकानें खुलेंगी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी । ग्रेटर नोएडा शहर के नॉलेज पार्क-5, इकोटेक-1 एक्सटेंशन और सेक्टर-36 और 37 समेत 13 सेक्टरों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी । यहां बाजार और दुकानें खुलेंगी । ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने व्यावसायिक श्रेणी के कुल 37 भूखंडों की योजना शुरू की है । योजना में पंजीकरण की प्रक्रिया 13 नवंबर से शुरू हो जाएगी और आखिरी तारीख 5 दिसंबर है । इससे बड़ा निवेश आने की संभावना है । प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, योजना में शामिल 1500, 1600 और 10,000 से लेकर 23,023 वर्गमीटर तक के कुल 37 भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा । आवंटन प्रक्रिया संपन्न होने के एक माह के भीतर कब्जा दे दिया जाएगा । इस योजना में उन सेक्टरों को शामिल किया गया है, जहां व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है । बहुमंजिला इमारत बनने से सेक्टर के लोगों को रोजमर्रा की जरूरत के सामान खरीदने के लिए सेक्टर से बाहर नहीं जाना पड़ेगा ।

दुर्गम क्षेत्रों में राशन तथा आवश्यक दवाइयां का भंडारण करें सुनिश्चित: डीसी सर्दियों के सीजन में आपदा से बचाव के लिए तैयारियां आरंभ



धर्मशाला । सर्दियों के सीजन में हिमपात तथा बारिश आरंभ होने से पहले आपदा से बचाव के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां आरंभ कर दी हैं, इस बाबत उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बुधवार को एनआईसी सभागार में सर्दियों के सीजन में आपदा से निपटने की पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी नियमित तौर पर लोगों तक पहुंचाने के लिए भी उपयुक्त कदम उठाए जाएंगे ताकि आम जनमानस पहले से ही मौसम को लेकर पहले से अलर्ट रहें। उन्होंने कहा कि कांगड़ा जिला में हिमपात की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में ट्रैकिंग पर अंकुश लगाया जाएगा इसके साथ ही भू-स्खलन को लेकर संवेदनशील सड़कों एवं अन्य जगहों की सूची पहले से तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। भू-स्खलन

इत्यादि से होने वाले नुकसान को कम करने की दिशा में कारगर कदम उठाए जाएं इसके साथ ही लोकनिर्माण विभाग, आईपीएच तथा विद्युत विभाग को आपदा प्रबंधन की दृष्टि से जैसीबी मशीनें और आवश्यक उपकरण भी पहले से तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उपायुक्त ने कहा कि खाद्य आपूर्ति

विभाग को भी आवश्यक खाद्य वस्तुओं का दुर्गम क्षेत्रों में भंडारण सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर बिलंब नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर तथा उपमंडल स्तर पर आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम खोलने के लिए दिशा-निर्देश भी दे दिए गया हैं

हिमाचल प्रदेश को बी.आर.ए.पी.-2024 में ‘टॉप अचीवर’ का दर्जा

पहाड़ी राज्य हिमाचल ने औद्योगिक क्षेत्र में हासिल की एक और बड़ी उपलब्धि: मुख्यमंत्री



शिमला। औद्योगिक विकास के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए हिमाचल प्रदेश को भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा संचालित बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान-2024 में ‘टॉप अचीवर राज्य’ घोषित किया गया है। यह सम्मान राज्य को कस्ट्रक्शन परफॉर्म एनब्लेर्स, स्वास्थ्य क्षेत्र और सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया। हिमाचल ने 100 में से 98 प्रतिशत अंक अर्जित कर यह उपलब्धि हासिल की है।

यह पुरस्कार केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा उद्योग समागम-2025 में प्रदान किया गया, जिसे राज्य की ओर से प्रधान आवासीय आयुक्त अजय यादव और महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र सिरमौर रचित शर्मा ने प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद सिंह सुक्खू ने इस उपलब्धि के लिए उद्योग विभाग की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को सुगम, पारदर्शी और त्वरित सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य में अनेक निवेशकदृष्टिगोप सुधारात्मक पहलें की गई हैं। इन पहलों का उद्देश्य एक पारदर्शी, कुशल और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण विकसित करना है। उन्होंने कहा कि राज्य ने कस्ट्रक्शन परफॉर्म एनब्लेर्स, स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्र में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि सभी क्षेत्रों में किए जा

रहे सुधार उद्यमियों और एमएसएमई के लिए वास्तविक सुविधा प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश से संबंधित स्वीकृतियां समयबद्ध प्रदान की जा रही हैं, जिससे निवेशकों को त्वरित और सुचारु सेवाएं मिल सकें। साथ ही मौजूदा सिल विंडो प्रणाली को नए सिल विंडो प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है, जिससे प्रक्रियाएं और अधिक तकनीक सक्षम, पारदर्शी और तीव्र गति से संचालित हो रही हैं तथा राज्य में ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस को और सुदृढ़ किया गया है। उद्योग मंत्री

हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि यह सम्मान राज्य की सुधार-उन्मुख शासन व्यवस्था और उद्योग-हितैषी दृष्टिकोण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को पारदर्शी, तकनीकी सक्षम और निवेश अनुपूरण बनाने का निरंतर प्रयास किया गया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग) आर. डी. नजीम ने कहा कि अनुमतियों के डिजिटलीकरण और जवाबदेही के सुदृढ़ीकरण से हिमाचल ने एक विश्वसनीय औद्योगिक वातावरण तैयार किया है। राज्य में सिंगल विंडो प्रणाली के तहत 150 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी 2019, एमएसएमई नीति 2023 और स्टार्टअप नीति 2022 के माध्यम से नवाचार, निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

न्यूज डायरी

उपायुक्त सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में बंधुआ मजदूरी उन्मूलन को लेकर जिला चौकसी समिति की बैठक आयोजित



हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में आज लघु सचिवालय स्थित सभागार में बंधुआ मजदूर उन्मूलन अधिनियम के तहत गठित जिला चौकसी समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त ने अधिनियम के अंतर्गत समिति द्वारा अब तक किए गए निरीक्षणों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

उपायुक्त ने निर्देश दिए कि यदि जिले में बंधुआ मजदूरी से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जाए और दोषियों के विरुद्ध अधिनियम के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि इस प्रकार की गतिविधियों की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने समिति के गैर-सरकारी सदस्यों से भी आह्वान किया कि यदि उनके संज्ञान में ऐसा कोई मामला आता है, तो वे तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

इस अवसर पर सहायक श्रम आयुक्त श्रीमती अंजना ने जानकारी दी कि अक्टूबर माह में टोका, कालका, रायपुरानी और चरनियां क्षेत्रों में कुल चार निरीक्षण किए गए, जिनमें कहीं भी बंधुआ मजदूरी का कोई मामला नहीं पाया गया। बैठक में बताया गया कि उपायुक्त के निर्देश पर सहायक श्रम आयुक्त श्रीमती अंजना और लेबर इंस्पेक्टर श्री कृष्ण कुमार द्वारा ईंट भट्टों पर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कुछ श्रमिकों के बच्चे स्कूल नहीं जा रहे थे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को सूचना दी गई, जिसके बाद श्रमिक परिवारों के 16 बच्चों का स्कूलों में दाखिला करवाया गया है ताकि वे शिक्षा प्राप्त कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव, एसडीएम पंचकूला श्री चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम कालका श्री संयम गर्ग, एसपी श्री राकेश कुमार, सहायक श्रम आयुक्त श्रीमती अंजना, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी श्री विशाल पराशर, तहसीलदार श्री सुरेश कुमार, लेबर इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार व सुभाष वर्मा सहित गैर-सरकारी सदस्य श्री राजकुमार सैनी और श्री सुशील कुमार उपस्थित रहे।

सरस मेला, पंचकूला में आकर्षक हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुएं



हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला में चल रहे सरस मेला में देशभर से आए शिल्पकारों और कारीगरों ने अपनी पारंपरिक कला और संस्कृति का अનોखा संगम प्रस्तुत किया है। मेले में विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प, हैंडलूम, ज्वेलरी, सजावटी वस्तुएं, गृह सजा सामग्री, मिट्टी के बर्तन और लोक उत्पाद विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

सरस मेला न केवल ग्रामीण उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को मंच प्रदान करता है, बल्कि आगंतुकों को भारतीय संस्कृति की झलक भी दिखाता है। मेले में रंग-बिरंगे स्टॉल, पारंपरिक संगीत, लोकनृत्य और स्वादिष्ट व्यंजन दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं।

यह मेला कला और संस्कृति के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। पंचकूला और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है कि वे देश की विविधता और हस्तकला की समृद्ध परंपरा का अनुभव करें।

सैंड आर्ट के माध्यम से दिखाई गई श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के साहस और बलिदान की गाथा

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हिन्द की चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब, पिंजौर में उनके जीवन आश्रमों और अमर विरासत पर आधारित सैंड आर्ट शो का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कलाकारों ने रेत की कला के माध्यम से गुरु साहिब जी के साहस, त्याग और बलिदान की गाथा को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के वरिष्ठ प्रधान सरदार गुरमीत सिंह रामसर, सिख समाज के अनेक प्रतिनिधि,सिख संगत तथा एसडीएम कालका उपस्थित रहे। सरदार गुरमीत सिंह रामसर ने सैंड आर्ट प्रस्तुति के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को हमारे महापुरुषों के जीवन और उनके आदर्शों से जोड़ने का माध्यम बनते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सेनी ने कल मंगलवार को गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार, गांव गोरखपुर (पिंजौर) से हिन्द की चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी शताब्दी पर सैंड आर्ट प्र्युखला प्रस्तुत की जा रही है। इस श्रृंखला के अंतर्गत राज्य के विभिन्न जिलों में सैंड आर्ट के माध्यम से गुरु जी के मानवता की रक्षा हेतु दिए गए सर्वोच्च बलिदान की अमर गाथा को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाब

पंजाब के 3100 गांवों में 1100 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे हैं खेल स्टेडियम: अमन अरोड़ा

सुनामहलकेके 29 गांवों में 11.5 करोड़ रुपए की लागत से बनाये जाएंगे स्टेडियम: अरोड़ा

अमन अरोड़ाद्वारा सुनामहलकेके 11 गांवों में 5.32 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले स्टेडियमों के कार्यों की शुरुआत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/सुनाम- पंजाब सरकार द्वारा राज्य को “रंगला पंजाब” बनाने के प्रण के तहत युवाओं को खेलों से जोड़ने और हर गांव में बेहतर खेल ढांचा उपलब्ध करवाने के प्रयासों को और मजबूती देते हुए पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री एवं आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमन अरोड़ा ने आज विधानसभा हलका सुनाम के 11 गांवों में बनने वाले स्टेडियमों के निर्माण कार्य की शुरुआत की। इन स्टेडियमों पर कुल 5 करोड़ 32 लाख रुपए की लागत आएगी और ये लगभग 3 महीनों में बनकर तैयार हो जाएंगे।

इस अवसर पर श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि राज्य के 3100 गांवों में करीब 1100 करोड़ रुपए की लागत से खेल स्टेडियम बनाए जा रहे हैं और विधानसभा हलका सुनाम के 29 गांवों में लगभग 11.5 करोड़ रुपए की लागत से स्टेडियम बनाए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि ये स्टेडियम खिलाड़ियों को अपनी



प्रतिभा निखारने और राज्य का नाम रोशन करने का उत्तम अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार “हर पिंड खेड मैदान” (प्रत्येक गांव में खेल मैदान) अभियान को मिशन के रूप में आगे बढ़ा रही है ताकि गांव स्तर पर युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

श्री अरोड़ा ने बताया कि विधानसभा हलका सुनाम के जिन गांवों में स्टेडियम निर्माण की शुरुआत की गई है, उनमें शामिल हैं: कित्ला हकीमां (65.09 लाख), शेरों (52.43 लाख), शाहपुर कलां (39.10 लाख), झाड़ों (117.16 लाख), तोगावाल (41.56 लाख), ढढ़ूरियां (26.28 लाख), साहेके (35.57 लाख), तकीपुर (23.94

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री कल 13 नवंबर को करेंगे जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता -उपायुक्त

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल लाल कल 13 नवंबर को दोपहर 12 बजे सेक्टर-1 स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि समिति के गैर सरकारी सदस्यों के साथ साथ जिला व पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों पर की गई कार्रवाही की समीक्षा करने के साथ साथ उनके समयबद्ध निपटान के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये जाएँगे। उन्होंने कहा कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति का अपना एक महत्व होता है क्योंकि कई महत्वपूर्ण सुझाव इस बैठक के माध्यम से प्राप्त होते है, जिनसे लोकहित कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सहायता मिलती है।

निरंतर प्रयासों से हरियाणा में लिंगानुपात 912 दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष 904 था

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव के निदेशानुसार हरियाणा में लिंगानुपात में सुधार हेतु राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की सप्ताहिक बैठक स्वास्थ्य सेवाएँ निदेशक डॉ. वीरेंद्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में “बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ” अभियान के तहत अवैध गर्भपात पर अंकुश लगाने और राज्य के लिंगानुपात में और सुधार लाने के प्रयासों को तेज करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक में बताया गया कि स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभागों के निरंतर प्रयासों के कारण राज्य में पहली जनवरी से 10 नवंबर, 2025 तक लिंगानुपात 912 दर्ज किया गया है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 904 था।

हरियाणा में सड़क सुरक्षा को लेकर डीजीपी ओ.पी. सिंह की पहल — राज्यभर के ब्लैक स्पॉट्स के त्वरित सुधार हेतु केंद्र व राज्य सरकार को लिखा पत्र

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) श्री ओ.पी. सिंह, आईपीएस ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्यभर में चिह्नित ब्लैक स्पॉट्स (दुर्घटनाग्रस्त स्थल) के शीघ्र सुधार के लिए केंद्र और राज्य सरकार को पत्र लिखा है। डीजीपी ने यह पत्र सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव श्री बी. उमाशंकर, आईएएस तथा लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल, आईएएस को लिखा है।

राज्य में बढ़ते सड़क हादसों पर चिंता व्यक्त — 474 ब्लैक स्पॉट्स में से 251 स्थलों पर सुधार लंबित
डीजीपी श्री ओ.पी. सिंह ने पत्र में उल्लेख किया है कि हरियाणा पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किए गए विश्लेषण में राज्यभर में कई ऐसे ब्लैक स्पॉट्स की पहचान हुई है जहाँ कम समय में पाँच या अधिक सड़क दुर्घटनाएँ

हुई हैं। वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 474 ब्लैक स्पॉट्स चिह्नित किए गए, जिनमें से अब तक 223 स्थलों का सुधार कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 251 ब्लैक स्पॉट्स पर कार्य लंबित है।उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर सड़क सुधार, साइनेज लगाना, सर्विस रोड निर्माण, गति नियंत्रक उपाय और लाइट व्यवस्था में सुधार जैसी इंजीनियरिंग

पहलों में देरी के कारण लगातार दुर्घटनाएँ हो रही हैं, जिससे अनावश्यक रूप से जनहानि हो रही है।
केंद्र और राज्य एजेंसियों को निर्देश जारी करने का अनुरोध
डीजीपी ने अपने पत्र में अनुरोध किया है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें) विभाग, हरियाणा अपने अधीन कार्यरत प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटिंग यूनिट्स और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें ताकि सभी लंबित ब्लैक स्पॉट्स का शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि इन स्थलों पर

उन्होंने बताया कि भारत को आजादी यूर्हीं नहीं मिली है इसके लिए हजारों युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को अंग्रजों के चंगुल से आजाद करवाया। तभी हम आज सभी आजादी की खुली हवा में सांस लें रहे है। उन्होंने

● भट्टों, ढाबों, होटलों और ट्रैफिक लाइट प्वाइंट्स पर होगानिरीक्षण*

● बाल श्रम रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने पर दिया जोर

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने आज लघु सचिवालय स्थित सभागार में बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए बाल श्रम संभावित स्थानों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

बैठक में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री अनिल कुमार भी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने कहा कि उनका लक्ष्य जिला पंचक्यूला को पूरी तरह बाल श्रम मुक्त बनाना है। इसके लिए उन्होंने स्वयं भट्ठा मालिकों,



होटल और ढाबा संचालकों के साथ बैठक कर सख्त निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी प्रतिष्ठान में बाल श्रम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कहीं बाल श्रम का मामला पाया गया तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा भी शहर के विभिन्न ट्रैफिक लाइट प्वाइंट्स पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि बाल श्रम की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। उपायुक्त ने जिला टास्क फोर्स को निर्देश दिए कि ईंट भट्टों, बाजारों, ढाबों, फैक्ट्रियों,

होटलों और ट्रैफिक लाइट प्वाइंट्स पर निरीक्षण कर कार्रवाई की रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय एवं हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस सामाजिक कुरीति को जड़ से समाप्त करने के लिए ऐसे व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए जो बच्चों को मजबूरन श्रम करवाते हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करने के साथ-साथ जन जागरूकता अभियान

हरियाणा पुलिस की बड़ी सफलता: इनामी गैंगस्टर और भगोड़ा अपराधी ‘ऑपरेशन ट्रैकडाउन’ में शिकंजे में!

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ की जा रही सख्त कार्रवाई के तहत, पुलिस ने दो जिलों—सोनीपत और कैथल—में गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कर एक और बड़ी सफलता दर्ज की है।
राज्यभर में चलाया जा रहा ‘ऑपरेशन ट्रैकडाउन’ संगठित अपराध और फरार अपराधियों के खिलाफ हरियाणा पुलिस का विशेष अभियान है, जिसके अंतर्गत लगातार बड़ी कार्रवाई की जा रही है।

सोनीपत पुलिस की बड़ी कामयाबी — CRPF जवान हत्याकांड के दो इनामी आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत जिले में 27 जुलाई 2025 की रात को छुट्टी पर आए CRPF जवान कृष्ण की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज मामले में सदर गोहाना थाना पुलिस ने 5,000-5,000 के इनामी दो मुख्य आरोपी—निशान पुत्र राजसिंह और अजय पुत्र वजीर, दोनों निवासी खेड़ी दमकन—को गिरफ्तार किया है।

यह वारदात पुरानी रंजिश से जुड़ी थी, जिसकी शुरुआत कांठड़ यात्रा के दौरान हुई कहासुनी से हुई थी। पुलिस ने बताया कि इस केस में पहले ही तीन आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं, जिनके विरुद्ध हत्या के प्रयास और आमर्स एक्ट सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। न्यायालय में पेश कर इन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, ताकि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके।

कैथल पुलिस ने ‘ऑपरेशन ट्रैकडाउन’ में दबोचा 15 मुकदमों वाला भगोड़ा अपराधी

कैथल पुलिस ने ‘ऑपरेशन ट्रैकडाउन’ के तहत विशेष टीम पीओ पकड़ो स्टाफ द्वारा वर्ष 2017 के छेड़खानी मामले में फरार चल रहे उद्घोषित अपराधी हंसराज (निवासी सेरवा) को गिरफ्तार किया है।

एमसीएम ने पंजाब विश्वविद्यालय इंटर-जोनल यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल 2025 में किया शानदार प्रदर्शन



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को कायम रखते हुए, मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ ने एक बार फिर अपनी सांस्कृतिक और रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कॉलेज ने 66वें पंजाब विश्वविद्यालय इंटर-जोनल यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल 2025 में शीर्ष स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

पंजाब विश्वविद्यालय जोनल यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल में सेकेंड रनर्स-अप ट्रॉफी हासिल करने के बाद, कॉलेज ने इंटर-जोनल स्तर पर भी विविध श्रेणियों में उल्लेखनीय प्रतिभा का परिचय देते हुए कलात्मक और साहित्यिक दोनों ही प्रतियोगिताओं में सराहनीय उपलब्धियाँ अर्जित कीं।

इंटर-जोनल स्तर पर जीत की इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए, कॉलेज ने क्रिएटिव राइटिंग, माइम, पोस्टर मेंकिंग, जनरल डॉंस और बाघ कढ़ाई में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। कॉलेज ने भाषण प्रतियोगिता और लुट्टी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, मुहावरेदार वार्तालाप, काव्य-पाठ, लोक वाद्य, लुट्टी (व्यक्तिगत), शास्त्रीय गायन और गीत प्रतियोगिताओं में तृतीय पुरस्कार अर्जित किया।

फेस्टिवल में कॉलेज के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए, कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने विजेताओं और उनके मार्गदर्शकों को बधाई दी, जिन्होंने संस्थान का गौरव बढ़ाया और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में एमसीएम की उत्कृष्टता की परंपरा को कायम रखा। उन्होंने विद्यार्थियों की निष्ठा, रचनात्मकता और टीम भावना की प्रशंसा की, जो कॉलेज को निरंतर प्रतिभा का केंद्र बनाए हुए हैं।

संपादकीय

भारत-चीन निभा रहे जिम्मेदारी, मगर परिचमी देशों के वादा तोड़ने से गहराता संकट 7.15 डिग्री का सपना और बढ़ता वैश्विक ताप

जलवायु परिवर्तन से उपजे संकट से निपटने के लिए वर्ष 2०15 में वैश्विक स्तर पर पेरिस में एक महत्त्वपूर्ण समझौता हुआ था। इसका मुख्य लक्ष्य वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना था। मगर इस समझौते में जताई गई प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रयास होते नजर नहीं आ रहे हैं।

हालांकि, विकासशील देश इस दिशा में आगे बढ़ने का इरादा रखते हैं, लेकिन वित्तीय और तकनीकी चुनौतियां उनकी राह में रोड़े अटका रही हैं। इसके बावजूद भारत और चीन जैसे देश पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने की कोशिश कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन पर शुरू हुई ‘संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन’ की 30वाँ वार्षिक बैठक में इन दोनों देशों की परिवर्तनकारी भूमिका की सराहना की गई। साथ ही कहा गया कि इन देशों ने जलवायु कार्बाई को स्पष्ट तरीके से अपनाया है और वे दुनियाभर में स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की लागत कम करने में मदद कर रहे हैं। दरअसल, पेरिस समझौते में तय हुआ था कि विकसित देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकासशील देशों की वित्तीय और तकनीकी रूप से मदद करेंगे। मगर संयुक्त राष्ट्र की हाल की एक रपट बताती है कि यह वित्तीय मदद लगातार घट रही है। विकासशील देशों को वर्ष 2035 तक अपने लक्ष्यों को पाने के लिए हर साल 365 अरब डॉलर की जरूरत है, लेकिन वर्ष 2023 में इन देशों को केवल 26 अरब डॉलर की अंतरराष्ट्रीय सहायता मिल पाई, जो वर्ष 2022 के 28 अरब डॉलर से भी कम है। सवाल है कि विकसित देशों ने अपने वादे के अनुसार विकासशील देशों को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने से अपने कदम पीछेक्यों खींच लिए हैं? हो सकता है कि इन देशों को इसमें निजी हित नजर नहीं आ रहे हों, लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में उनका योगदान सबसे ज्यादा है।

जीवन की राह पर हर अनुभव एक सबक है, ठहरना नहीं, बस चलना है, चलते ही जाना है

मनीषा मंजरी

समय की धारा में बहती यह जिंदगी न जाने कितने ही अजनबी मोड़ से होकर गुजरती है। कभी ये मोड़ हमें किसी शांत तट तक ले आते हैं, जहां मन ठहर जाने को आतुर हो उठता है। लगता है कि यही वह स्थान है, जहां इस यात्रा को रुक जाना चाहिए। मगर जीवन की यह धारा किसी एक ठहराव को स्थायी नहीं बनने देती, वह आगे बहती रहती है। नए किनारे दिखाती है, नए अनुभवों का उपहार देती है, जो कभी सुखद होते हैं, तो कभी असहनीय।इस जीवन धारा में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जो हमें उस समय समझ नहीं आते।

कुछ अप्रसंगिक, कुछ रहस्यमय और कुछ ऐसे, जिनका अर्थ हमारे वर्तमान बोध से बहुत परे होता है। ये वे क्षण होते हैं, जब हमें किसी गहरे पूर्वानुभव का एहसास होता है। किसी अनजाने व्यक्ति की मुस्कान, किसी पुराने गीत की धुन, किसी जगह की गंध या किसी दूसरे का अचानक भीतर तक उतर जाना। ऐसा लगता है मानो आत्मा ने यह सब पहले जिया हो। कहीं, किसी और समय में। ऐसे पूर्वानुभव हमें अक्सर उलझन में डाल देते हैं, लेकिन समय के साथ उनकी परतें धीरे-धीरे खुलने लगती हैं। तब समझ आता है कि ये घटनाएं संयोग नहीं थीं, ये हमारी आत्मा की यात्रा के संकेत थे। अदृश्य धागे, जो हमें किसी नए द्वार तक ले जाने के लिए आए थे। यह अनुभव हमारी चेतना

पीएम मोदी की भूटान यात्रा ने लिख दिया हिमालयी मित्रता का नया अध्याय

नीरज कुमार दुबे

थिम्फू की शांत वादियों में आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूटान के राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के 70वें जन्मदिवस पर भारतीय जनता की ओर से शुभकामनाएँ दीं, तो यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं थी— यह हिमालयी सभ्यता की आत्मीयता, साझा मूल्यों और सामरिक साझेदारी की नई अभिव्यक्ति थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर जहाँ ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ के शाश्वत भारतीय आदर्श की पुनः स्मृति कराई, वहीं उन्होंने भूटान के वैश्विक योगदान यानि ‘सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता’ की संकल्पना को मानव विकास के नए प्रतिमान के रूप में रेखांकित किया। परंतु यह भाषण केवल आध्यात्मिक या सांस्कृतिक विमर्श तक सीमित नहीं था। इसके भीतर भारत की सुरक्षा नीति, पर्यावरणीय साझेदारी, और पड़ोसी-प्रथम नीति की गहरी रणनीतिक परतें भी स्पष्ट झलकती हैं।

देखा जाये तो भारत और भूटान का संबंध केवल सीमा-रेखाओं तक सीमित नहीं, बल्कि यह संस्कृतियों, धर्मों और भावनाओं का सेतु है। गुरु पद्मसंभव की परंपरा से लेकर आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों तक, दोनों देशों की जीवन-दृष्टि में शांति और मानव कल्याण के दसों धारा बहती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं उल्लेख किया कि गुजरात के वडनगर से लेकर वाराणसी तक भारत की बौद्ध परंपरा और भूटानी आध्यात्मिकता में समानता है। आज जब विश्व वैचारिक विभाजन, जलवायु संकट और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है, भारत-भूटान का यह ‘शांतिपूर्ण विकास मॉडल’ एशिया के लिए प्रेरक उदाहरण बन रहा है।

डॉं सीमा जावेद

हैदराबाद : क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 ने एक बार फिर याद दिलाया है कि जलवायु संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की कहानी है. जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के पक्षकारों के 30वें सम्मेलन में पेश की गई जर्मनवॉच की नई रिपोर्ट क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स में इसका जिक्र किया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, 1995 से 2024 के बीच दुनिया भर में 9,700 से ज्यादा एक्सट्रीम वेदर की घटनाओं में 8,32,000 लोगों की मौत हुई और 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (मुद्रास्फीति समायोजित) का आर्थिक नुकसान हुआ.

रिपोर्ट के अनुसार, भारत 1995 से 2024 के बीच बार बार हो रही एक्सट्रीम वेदर की घटनाओं से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है. रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में भारत दुनिया के 10 सबसे अधिक प्रभावित देशों में नौवें स्थान पर है. भारत को बाढ़, चक्रवात, लू और सूखे जैसी आपदाओं ने बार-बार झकझोरा है. देश के कई हिस्सों में एक्सट्रीम वेदर अब एक आवर्ती (बार-बार आने वाला) संकट बन चुका है. दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत लोग - तीन अरब से ज्यादा - वर्तमान में उन 11 देशों में रहते हैं जो पिछले 30 वर्षों में एक्सट्रीम वेदर की घटनाओं जैसे हीट वेव्स, तूफानों और बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं. इन देशों में भारत (9वें स्थान पर) और चीन (11वें स्थान पर), और लीबिया (4वें स्थान पर), हैती (5वें स्थान पर) और फिलीपींस (7वें स्थान पर) जैसे अन्य देश शामिल हैं. इन ग्यारह देशों में से कोई भी समृद्ध औद्योगिक देशों में शामिल नहीं है. वहीं, यूरोपीय संघ के देश और औद्योगिक देश जैसे फ्रांस (12वें स्थान



पर), इटली (16वें स्थान पर), या अमेरिका (18वें स्थान पर) एक्सट्रीम वेदर से सबसे ज्यादा प्रभावित 30 देशों में शामिल हैं. ये जलवायु जोखिम सूचकांक 2026 के प्रमुख निष्कर्ष हैं, जिसे पर्यावरण और विकास संगठन जर्मनवॉच ने बेलेम में सीओपी30 में प्रस्तुत किया.

कुल मिलाकर, सूचकांक 1995 और 2024 के बीच 9,700 से ज्यादा चरम मौसम की घटनाओं को दर्ज करता है, जिनमें 830,000 से ज्यादा मौतें और 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का प्रत्यक्ष नुकसान हुआ है, जिसे मुद्रास्फीति के हिसाब से समायोजित किया गया है. सीआरआई की लेखिकाओं में शामिल लौरा शेफर ने बताया, ‘चरम मौसम की घटनाओं की बात करें तो लू और तूफान मानव जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं. तूफानों ने अब तक सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान भी पहुंचाया है,

विचार/मंथन

एक्सट्रीम वेदर बड़ा संकट, पिछले 29 सालों से इस वार का सामना कर रहा भारत

सामना किया, जिनका सीधा असर स्थानीय अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा पर पड़ा. रिपोर्ट में उद्धृत एक 2025 के अध्ययन के अनुसार, चक्रवात अम्फान (2020) की तीव्रता असामान्य रूप से गर्म समुद्री तापमान के कारण बढ़ी, जो मानवजनित जलवायु परिवर्तन से जुड़ी परिस्थितियों से प्रभावित थी. इसी तरह, हाल के वर्षों में भारत लगातार लंबी और अधिक घातक हीट वेव्स का सामना कर रहा है.

आईपीसीसी के अनुसार, औसत और चरम दोनों तरह की गर्मी में हर महाद्वीप पर बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. वैज्ञानिक अब इस बात पर एकमत हैं कि दुनिया में आने वाली हर हीटवेव अब मानवीय गतिविधियों से प्रेरित तापमान वृद्धि के कारण और अधिक संभावित तथा अधिक तीव्र हो गई है.

रिपोर्ट क्या कहती है: जर्मनवॉच की यह वार्षिक रिपोर्ट इंटरनेशनल डिजास्टर डेटाबेस (धरूछत्र), वर्ल्ड बैंक और आईएमएफ के सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों पर आधारित है. यह छह संकेतकों के आधार पर देशों की रैंकिंग तय करती है—मृतकों की संख्या, प्रभावित लोगों की संख्या, और आर्थिक नुकसान (दोनों सापेक्ष और पूर्ण रूप में).

विशेषज्ञों ने क्या कहा: ‘क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 के नतीजे बताते हैं कि अब वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन में तुरंत कटौती जरूरी है. अगर कार्बाई में देरी हुई, तो मौतों और आर्थिक तबाही का सिलसिला बढ़ता जाएगा. साथ ही, एंटीडेशन और लॉस एंड डैमेज पर ठोस कदम उठाने होंगे.’ - डेविड एक्सट्रीन, वरिष्ठ सलाहकार (क्लाइमेट फाइनेंस और निवेश), जर्मनवॉच

वर्ग पहेली 5911

1	2	3	4	5	6	7
8			9			
		10	11		12	
13	14		15		16	17
			18		19	
20		21			22	
23					24	
		25				

संकेत:
बाएं से दाएं
1. भारत के पूर्व में अंतिम छोर पर अरुणाचल प्रदेश में इस जिले में कितलुंगवाँव है, लाल रंग का (3)
4. ब्रह्पुत्र नदी की भारत में यह कहते है (4)
8. आरजू, हसरत, मनावांछा (3)
9. लहराना, धधकना (4)
10. पेड़ की जमीन के ऊपर का मोटा भाग जहाँ से शाखाएँ निकलती है (2)
12. प्रभु, परमेश्वर (2)
13. निशाचर, असुर (5)
16. अनौठी, अन्धरा, अत्याचार (2)
18. वज्र, बिजली, विद्युतपात (2)
19. यह जल प्राप्ति का कृत्रिम स्रोत है (2)
21. पागलों की तरह बड़-बड़ करना (4)
23. किसी वीओपी के आने पर तोपों का फेंर, सलाम करना (3)
24. क्षितिज मंडल के चारों भागों में से कोई, ओर, तरफ, शीघ्र स्थान (2)
25. रहस्यम, पथ प्रदर्शन (4)

ऊपर से नीचे
1. संसार का चाल-चलन (4)
2. बर्फ, पाला, तुषार (2)
3. खींचतानी, वैमनस्यता (4)
4. मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है (2)

5. उर्मण, मौज, तरंग, कंप (3)
6. वह चोर जो दीवार में सेंध करके चोरी करता हो (5)
7. यह अभिनेता नवीरुद्दीन की सास थी (सिर्फ आर्थिक नाम) (2)
11. नाचना-गाना (4)
15. प्रखालनकर्मी, प्रखालक, मैले वस्त्र को स्वच्छ करने वाला (3)
17. निर्बलक, बेकार, निरक्षमा (3)
20. जीवन निर्वाह, गुजारा (3)
21. वंदनाम और के-इस गीतकार के पिता भी पुरानी फिल्मों के गीतकार थे, हवा, बयार (3)
22. अद्भुत, अनेका (3)

को	ल	का	ता	सु	ब	ल
फि	त	ना	फ़ु	ल	न	दे
कं	जू	सी		व	र	ना
ठ	न		सो	म		ते
			क	म	ल	थ
रो	म		ना	य	क	डा
ज	न	प	थ	ना	सि	क

तुला

आज कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमता पर भरोसा रखना होगा। दूसरों पर निर्भर रहने से आपकी प्रगति धीमी हो सकती है। अपनी शर्तों पर कार्य करने की कोशिश करें। समय रहते कदम उठाने से आपका तनाव कम हो जाएगा। व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

धनु

आज दिन काफी शुभ रहने वाला है। तबे समय के बाद आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना नजर आ रही है।आज के दिन किसी जरूरी काम के पूरा होने से लाभ के अवसर सामने आएंगे। यही नहीं दिन खत्म होते समय भी भाग्य आपका साथ नहीं छोड़ेगा। शाम तक आपको रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

आज दिन थोड़ा चुनौतियों भरा रहने वाला है। अपनी मंजिल के करीब पहुंचने के बावजूद आप अपने आपको पीछे महसूस कर सकते हैं। सफलता पाने के लिए आखिरी कदम तक होसला बनाए रखना जरूरी है। मेहनत और आत्मविश्वास से ही सफलता आपके कदम चूमेगी।

वृश्चिक

आज का दिन भावनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। दिल से जुड़े कुछ खास प्रसंग आपके सामने आ सकते हैं। आपका उदार स्वभाव आपके लिए आज चुनौती भी बन सकता है।। कानूनी मामले से जुड़ी स्थिति सामने आने पर ठोस योजना तैयार रखें। आज का दिन सोच- समझकर कदम उठाने का संकेत दे रहा है।

मकर

आज का दिन चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। आज आप कई प्रकार की उलझनों में फंस सकते हैं। प्रेमी या प्रियजन के लिए कोई उपहार खरीदने में जल्दबाजी आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। वहीं कार्यक्षेत्र में काम का दबाव अधिक रहेगा। सही समय पर वाहन या अन्य साधन भी आपका साथ नहीं देंगे।

आज दिन अनुकूल रहेगा। किसी संत या महात्मा के विचारों पर गहराई से ध्यान दे सकते हैं। किसी असुविधा या बाधा आने पर आप शांत और गंभीर बने रहते हैं। यह स्थिति ग्रहों के सांघार में बदलाव या किसी शुभ ग्रह के प्रभाव से उत्पन्न हो सकती है। आपका यह धैर्य जीवन के निर्णयों में भी सकारात्मक असर डालेगा।

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन मेष राशि के जातकों के कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव लेकर आ सकता है।। इस दौरान जातकों की चुनौतियों से आपको घबराने की जरूरत नहीं है। सरकारी या व्यवस्था से जुड़े कुछ बदलाव आपकी हिम्मत को परख सकते हैं।। किसी कानूनी उलझन या प्रशासनिक दबाव की आशंका नजर आ रही है।

मिथुन

आज का दिन शुभ फल देने वाला रहेगा। दिन के समय में छिटपुट आर्थिक लाभ की संभावना बन रही है।। नौकरी या व्यवसाय से जुड़े कुछ पुराने मुद्दे हल होंगे। आज के दिन मानसिक संतोष मिलेगा।। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं इस बात को गाँठ बांधकर रखना होगा।

सिंह

आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है। आपके तबे समय से किए गए प्रयास रंग लाएंगे। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना दिख रही है।।आय के नए स्रोत भी मिल सकते हैं।। अपने सहयोगियों के प्रति उदार रहने की कोशिश करें।

वृष

आज का दिन जातकों के लिए महत्वपूर्ण दिख रहा है।। दूसरों पर निर्भर रहने की आदत का आज त्याग करना पड़ेगा। यह आदत लंबे समय तक आपको सफलता नहीं दिला पाएगी।। लाभ कमाने के लिए आगे बढ़कर खुद कोशिश करना होगा।। आपके लिए परिश्रम करने और आत्मनिर्भर बनने का सही समय आ गया है।

कर्क

आज दिन दूरी और रात चुगौनी तरकी लेकर आया है।। आपके द्वारा किए गए समाज सेवा के कार्यों में प्रगति मिलेगी।। किसी संगठन या सामाजिक संस्था से जुड़ना आपकी प्रशिक्षा को बढ़ाने वाला सिद्ध होगा।। समाज के कार्यों में आपकी भागीदारी आपका मान- सम्मान बढ़ाएगी।

कन्या

आज का दिन कुछ खास रहने वाला नहीं है।। अपने मित्रों और प्रियजनों की खातिर अपनी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज करने से बचें।। फालतू काम में शामिल होकर अपना कीमती समय बर्बाद न करें।। आपको दूसरों से पहले अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान देना होगा।। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल दिखाई दे रही हैं।

प्तसथलोकहर सिनर्जीज का 76 प्रतिशत राजस्व, 70 प्रतिशत मुनाफा उछाल

चेन्नई। अग्रणी इपीसी कंपनी सथलोकहर सिनजीज ई एंड सी ग्लोबल लिमिटेड ने, जो डिजाइन से लेकर सिविल वर्क्स, पीईवी स्ट्रक्चर्स, एमईपी सिस्टम्स, सोलर इंस्टॉलेशन और इंटीरियर फिट-आउट्स तक टर्नकी समाधान प्रदान करती है, एच1 एफवाय26 के अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। सथलोकहर सीनजीज ई एंड सी ग्लोबल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री जी. थिय्यागु ने कहा — ‘एफवाय26 की पहली छमाही हमारे लिए एक मील का पथर साबित हुई है — यह कंपनी के रूपान्तरण और तेजी से बढ़ते विकास पथ की गवाही देती है। साल-दर-साल लगभग 75 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि हमारी निष्पादन क्षमता, वित्तीय अनुशासन और इपीसी क्षेत्र में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाती है। इस अवधि में हमने लगभग 830 करोड़ के रिकॉर्ड ऑर्डर हासिल किए — जो एफवाय25 के पूरे साल के 400 करोड़ राजस्व से कहीं अधिक हैं। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (338.36 करोड़) और सीलोन बेवरेज कैन प्रा. लि. (219.22 करोड़) जैसे प्रमुख ऑर्डर हमारी बढ़ती विश्वसनीयता का प्रमाण हैं। 1367.71 करोड़ की ऑर्डर बुक और 13,637 करोड़ से अधिक की बोली पाइपलाइन के साथ, हम एच2 में और भी दमदार प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। हालिया 114 करोड़ की फंडिंग हमारे विस्तार को और गति देगी।

शेरा एनर्जी ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

मुंबई। शेरा एनर्जी लिमिटेड जो गैर-लौह धातुओं से बने वाइडिंग वायर और स्ट्रिप्स के प्रमुख निर्माता में से एक है, ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही के लिए अप्रकाशित (अन-ऑडिटेड) वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री नसीम शेख, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, शेरा एनर्जी लिमिटेड ने कहा, ‘पिछले कुछ वर्षों में, हमने शेरा एनर्जी को विकास, विविधीकरण और लागत दक्षता पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करके तैयार किया है। एक छोटे सेटअप से, हमने क्षमता का विस्तार करके, बैकवर्ड इंटीग्रेशन को मजबूत करके और संचालन अनुशासन बनाए रखकर बहुगुणी वृद्धि हासिल की है।’ कच्चे माल में आत्मनिर्भर बनाएआए और हमारे मार्जिन में सुधार करेगा। भारत में, हम सोलर रिबन्स, कव्चटर और विद्युत व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में उपयोग होने वाले विशेष वायर जोड़ रहे हैं, जो हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो और लाभप्रदता को और बढ़ाएंगे। इसके साथ ही, हमने इथियोपिया में एक नई विदेशी सहायक कंपनी की स्थापना को मंजूरी दी है, जो हमारे दूसरे अफ्रीकी बाजार में प्रवेश को दर्शाता है और व्यापक वैश्विक उपस्थिति बनाने के हमारे लक्ष्य का समर्थन करता है।

‘द बंगाल फाइल्स’, फिल्म, 21 नवंबर से जी5 पर प्रीमियर करेगी

मुंबई। पनी बहुचर्चित थिएटर रिलीज के बाद, ‘द बंगाल फाइल्स’ — जो कि विवेक अग्निहोत्री द्वारा लिखित और निर्देशित एक बहुतीक्ष्ण ऐतिहासिक ड्रामा है, तथा अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन्स द्वारा निर्मित है — अब 21 नवम्बर 2025 से जी5 पर अपने विश्व डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। फिल्म में अनुपम खेर, पल्लवी जोशी, मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार, सिमरत कौर और सस्वता चटर्जी के दमदार अभिनय देखने को मिलेंगे। यह फिल्म मशहूर फाइल्स ट्रिलॉजी द ताशकंद फाइल्स और द कश्मीर फाइल्स (के बाद) का तीसरा हिस्सा है। इसकी कहानी आजादी से पहले के उथल-पुथल भरे बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में 1946 के ग्रेट कलकता किलिंग्स (डायरेक्ट एक्शन डे) से जुड़ी घटनाओं को फिर से दिखाया गया है, जिन्होंने भारत के विभाजन और आजादी के रास्ते पर गहरा असर डाला था।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने 26 आंगनवाड़ी केन्द्रों का नवीनीकरण कर

बच्चों के लिये बेहतर सुविधाएं मुहैया कराईं

धार (मध्य प्रदेश)। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने एक्शन ओगेंस्ट हंगर फाउंडेशन इंडिया के सहयोग से मध्य प्रदेश के धार और छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिलों में 26 आंगनवाड़ी केंद्रों का नवीनीकरण किया।

इन केंद्रों का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में बच्चों और माताओं के लिए सुस्थित, शिक्षाप्रद और पोषण संबंधी सुविधाओं को मजबूत करना है। इन दोनों जिलों में कुल 1,078 बच्चों को बेहतर सुविधाओं और इफ़ेक्टिव्करण का लाभ मिल रहा है।

इन 26 आंगनवाड़ी केन्द्रों के नवीनीकरण के बाद 3-5 साल की उम्र के बच्चों की उपस्थिति में बढ़ोतरी देखी गई है। धार में यह 51त से बढ़कर 84त और गरियाबंद में 51त से 77त हो गई। इसमें बच्चों के लिए अल्लो चाइल्डहूड डेवलपमेंट (ईसीडी)

जनवरी 2026 से महंगा हो सकता है सीमेंट, मांग में तेजी से दाम बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सिस्टमैटिक्स रिसर्च की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मांग बढ़ने के कारण अगले साल सीमेंट की कीमतें बढ़ सकती है। इसमें कहा गया है कि लम्बे समय तक चले मानसून ने निर्माण गतिविधियों को प्रभावित किया है। वहीं सभी क्षेत्रों की तुलना में, पूर्वी बाजार में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई।

मांग में तेजी के कारण जनवरी 2026 से सीमेंट की कीमतें बढ़ने की संभावना है। सिस्टमैटिक्स रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसमें बताया गया है कि पिछले महीने में अखिल भारतीय औसत सीमेंट की कीमतों में महीने-दर-महीने छह रुपये प्रति बैग की गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण दक्षिणी और पूर्वी



क्षेत्रों में कीमतें में कटौती है। इसमें कहा गया है कि लम्बे समय तक चले मानसून ने निर्माण गतिविधियों को प्रभावित किया है। खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में, जिसके परिणामस्वरूप कमजोर उठान हुआ है और कम्पनियों की मूल्य निर्धारण शक्ति

सीमित हो गई है। दक्षिणी क्षेत्र में सीमेंट की कीमतों में 5-10 रुपये प्रति बैग की गिरावट आई और औसत कीमत 325 रुपये प्रति बैग रही। उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर रही, जहां औसत कीमत क्रमशः 365 रुपये प्रति बैग और 335 रुपये प्रति बैग रही।

बिरला कॉर्पोरेशन का सितंबर तिमाही का एबिटिडा 71 प्रतिशत बढ़ा

सतना। सीमेंट की मांग में कमी और प्रमुख बाजारों में कमजोर कीमतों के बावजूद, बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड का सितंबर तिमाही का कंसोलिडेटेड एबिटिडा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 71 प्रतिशत बढ़कर 332 करोड़ रुपये हो गया।

सीमेंट और जूट दोनों डिवीजनों में बेहतर लाभप्रदता के कारण, कंपनी ने इस तिमाही में 90 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ अर्जित किया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में उसे 25 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। साल-दर-साल 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है क्योंकि सीमेंट की बिक्री मात्रा के हिसाब से 7 प्रतिशत बढ़कर 4.2 मिलियन टन हो गई और बिरला जूट मिल्स ने कार्यापलट कर दिया। तिमाही के दौरान सीमेंट की बिक्री कंपनी के कार्यक्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा, कम कीमतों और सितंबर 2025 में जीएसटी में बदलावों के कारण बाजार में कई बाधाओं से प्रभावित हुई। कंपनी ने सभी प्रमुख बाजारों में अपनी बाजार हिस्सेदारी को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया और प्रीमियम उत्पादों के अपने पोर्टफोलियो के नेतृत्व में, मात्रा के हिसाब से सीमेंट की बिक्री में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। प्रमुख ब्रांड, परफेक्ट प्लस ने मात्रा के हिसाब से बिक्री में 20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की, इसके बाद यूनिफ़ॉर्म प्लस का स्थान रहा, जिसकी वृद्धि दर 28 प्रतिशत रही, हालांकि इसका आधार कम रहा। तिमाही के दौरान ट्रेड चैनल के माध्यम से कुल बिक्री में प्रीमियम सीमेंट का योगदान 60 प्रतिशत रहा। अधिक लाभदायक व्यापार चैनल के माध्यम से बिक्री पिछले वर्ष की इसी अवधि के 71 प्रतिशत के मुकाबले 79 प्रतिशत रही। मिक्स सीमेंट की बिक्री पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में मात्रा के हिसाब से 14 प्रतिशत बढ़ी, और तिमाही के दौरान कुल सीमेंट बिक्री में इसकी हिस्सेदारी 89 प्रतिशत रही, जबकि एक वर्ष पहले यह 83 प्रतिशत थी। इन दोनों राज्यों में, कंपनी ने 7-11 प्रतिशत की मात्रा वृद्धि दर्ज की। श्री संदीप घोष, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, ने कहा कि ‘कंपनी कई दिशाओं से आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुए एक मजबूत प्रदर्शन करने में सक्षम रही।

2025 में टैफे ट्रैक्टर्स ईवी ने ट्रैक्टर ऑफ द ईयर सरस्टेनेबल श्रेणी के टॉप 5 फाइनलिस्टों में जगह बनाई

यूटिलिटी, कॉम्पैक्ट और स्पेशलिटी ट्रैक्टर खंडों में 100 एचपी तक की तीन नई उत्पाद श्रृंखलाएं प्रदर्शित की गईं

मुंबई, एजेंसी।

एप्रोटैक्निका 2025 में, टैफे – ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड- विश्व के एक सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माता ने अपने आगामी पीढ़ी के इलेक्ट्रिक हाइब्रिड ट्रैक्टर - टैफे ईवी75 का अनावरण किया, साथ ही टैफे ईवी28 इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर को सरस्टेनेबल ट्रैक्टर श्रेणी में ट्रैक्टर ऑफ द ईयर 2026 पुरस्कार के लिए फाइनलिस्ट चुने जाने की एक ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न भी मनाया गया।

ईवी75 के अलावा, टैफे ने अपनी नई विजन गाइडेंस सिस्टम और नई रेंज भी प्रदर्शित की। इसमें एक नए कैब वाला 100 एचपी का ट्रैक्टर 74 एचपी का ऑर्चर्ड और फ्रूट ट्रैक्टर और कॉम्पैक्ट यूटिलिटी सीरीज, 65 एचपी का ट्रैक्टर शामिल है, इनमें से



प्रत्येक ट्रैक्टर को यूरोपियाई कृषि के अनुसार विविध प्रकार के परिचालन और आवश्यकताओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है।

आज, टैफे केवल एक ट्रैक्टर निर्माता नहीं,

कृषि प्रौद्योगिकी, स्वचालन और वैकल्पिक ऊर्जा प्लेटफॉर्मों में महत्वपूर्ण निवेश कर रही है। टैफे की वाइस चेयरमैन डॉ. लक्ष्मी वेणु ने कहा, टैफे ने पिछले 65 से अधिक वर्षों से दुनिया भर के ग्राहकों का विश्वास अर्जित करते हुए इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, विश्वसनीयता और गुणवत्ता के क्षेत्र में अपनी एक मजबूत पहचान बनाई है। यह कंपनी दुनिया का एक अग्रणी ट्रैक्टर निर्माता होने के नाते 80 देशों में परिचालन करने के साथ-साथ हम दुनिया के साथ, दुनिया के लिए, दुनिया भर के किसानों के लिए उन्नत और विश्वसनीय समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता एवं नवाचार करना जारी रखते हैं। टैफे की चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, मल्लिका श्रीनिवासन ने टैफे की वैश्विक रणनीति पर बल देते हुए कहा, टैफे 100

एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका की गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने बांग्लादेश स्थित डिट्रोइट्टूर कंपनी ए सीआई मोटर्स लिमिटेड द्वारा एक ही दिन में अब तक की सबसे बड़ी ट्रैक्टर डिलीवरी करके गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है, जिससे कंपनी की वैश्विक श्रेष्ठा को और अधिक बल मिला है। यह असाधारण उपलब्धि बालादेश के दिनाजपुर में सोनालीकर बिशोर्जाय थीम पर आयोजित भव्य समारोह में हासिल हुई 7 ये प्रगति, उत्पादकता और साझेदारी का उत्सव रहा जिसमें 350 ट्रैक्टरों की डिलीवरी सिर्फ 4 घंटे में की गई 7 डॉ. दीपक मित्तल, मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, सोनालीका की विरासत इस दृढ़ विश्वास से प्रेरित है।

ग्रीन हाइड्रोजन: भारत चूक सकता है 2030 तक के लिए निर्धारित उत्पादन का लक्ष्य, जानिए क्या बोले मंत्री-अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन से जुड़ी नई प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित करने के लिए 100 करोड़ रुपये की पायलट परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। वहीं दूसरी ओर मंत्रालय के सचिव संतोष कुमार सारंगी ने कहा कि भारत का 50 लाख मीट्रिक टन (एमएमटी) वार्षिक ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता का लक्ष्य अब 2030 के बजाय 2032 तक खिसक सकता है। आइए विस्तार से जानें।

नव व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन से जुड़ी नई प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित करने के लिए 100 करोड़ रुपये की पायलट परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इन परियोजनाओं में विशेष रूप से बायोमास से ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन जैसी उन्नत तकनीकों पर जोर दिया जाएगा। मंत्री जोशी ने यह घोषणा तीसरे अंतरराष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन में की।

उन्होंने बताया कि इस पहल को लागू करने वाली एजेंसी बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस कार्डसिल जल्द ही इच्छुक एप्लिकेशियों और शोध संस्थानों में प्रस्ताव आमंत्रित करेगी। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मैं ऐसे नवीन प्रस्तावों की प्रतीक्षा कर रहा हूं, जो हमें हमारे ग्रीन हाइड्रोजन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ा सकें।

बर्जर पेंट्स ने 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी किए

मुंबई, एजेंसी। 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही के लिएपरिचालन से प्राप्त राजस्व 2,827.5 करोड़ रुपयेरहा, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 2,774.6 करोड़ रुपयेथा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1.9त की वृद्धिको दर्शाता है।30 सितंबर

2025 को समाप्त तिमाही के लिएईबीआईटीडीए (अन्य आय को छोड़कर) 352.3 करोड़ रुपयेरहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 434.2 करोड़ रुपयेथा। जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 269.9 करोड़ रुपयेथा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 23.5त की गिरावटको दर्शाता है। अभिजीत रोय, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड ने कहा,इस तिमाही के दौरान लंबे समय तक चले मौनसून सीजन के कारण अधिकांश बाजारों में मांग का रुख सुस्त रहा। इसके बावजूद हम उच्च एकल अंक की मात्रा वृद्धि और सीमित लेडिन सकारात्मक राजस्व वृद्धि दर्ज करने में सफल रहे। हालांकि, इस तिमाही में राजस्व वृद्धि दर कुछ धीमी रही, हमारे आकलन के अनुसार अप्रैल 2025 से सितंबर 2025 की अवधि में, वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में, पेंट्स और कोटिंग्स क्षेत्र की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों के बीच हमारा बाज़ार हिस्सा और बढ़ा है।



प्रत्यक्ष कर संग्रह 7 फीसदी बढ़कर 12.92 लाख करोड़ के पार

सरकार ने जारी किए आंकड़े फिशरम

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सात प्रतिशत बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। वहीं टैक्स रिफंड में 18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। आइए विस्तार से जानें।

वित्त वर्ष 2026 में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कर राजस्व बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसका कारण अधिक कॉर्पोरेट कर संग्रह व धीमी रिफंड दर है। सरकार की ओर से जारी किए गए टैक्स रिफंड में 18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। 1 अप्रैल से 10 नवंबर के बीच कुल 2.42 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए हैं। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में कॉर्पोरेट टैक्स से शुद्ध संग्रह बढ़कर 5.37 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 5.08 लाख करोड़ रुपये था। वहीं, गैर-कॉर्पोरेट टैक्स (जिसमें व्यक्तिगत करदाता और हिंदू अविभाजित परिवार शामिल हैं) से अब तक 7.19 लाख करोड़ रुपये की वसूली हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 6.62 लाख करोड़ रुपये था।

प्रतिभूति लेनदेन में आई मामूली गिरावट : इस वित्त वर्ष में अब तक प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 35,682 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 35,923 करोड़ रुपये से मामूली कम है।



चालू वित्त वर्ष में 10 नवंबर तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और कॉर्पोरेट कर शामिल हैं, पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 7 प्रतिशत बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। पिछले साल की समान अवधि में यह लगभग 12.08 लाख करोड़ रुपये था।

रिफंड समायोजित करने से पहले सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह इस वित्तीय वर्ष में अब तक 15.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2.15 प्रतिशत अधिक है।

कर संग्रह को लेकर सरकार का अनुमान: चालू वित्त वर्ष में, सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह 25.20 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है। यह पिछले साल

की तुलना में 12.7 प्रतिशत अधिक है। सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 26 में एसटीटी से 78,000 करोड़ रुपये जुटाना है।

ब्याज दरों में कटौती के बावजूद गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह में आई गिरावट ड डेलॉइट इंडिया के पार्टनर रोडिंटन सिंघवा ने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल ब्याज दरों में भारी कटौती के बावजूद गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि जारी है। यह एक बहुत अच्छा संकेत है, जो आय के स्तर में मजबूत वृद्धि दर्शाता है। दूसरी ओर, रिफंड में काफी कमी आई है। सिंघवा ने कहा कि एसटीटी संग्रह मोटे तौर पर स्थिर रहा है, जो सूचकांकों की गति को दर्शाता है। आईपीओ विस्तार को देखते हुए, इसमें और वृद्धि की संभावना है।

एचपी से कम क्षमता वाले ट्रैक्टरों के खंड में एक वैश्विक अग्रणी बनने की आकांक्षा रखता है, जो दुनिया में सबसे बड़ी उत्पादन क्षमता वाली श्रेणी है। टैफे हमारे ‘कल्टिवेटिंग द वर्ल्ड’ विजन के अनुरूप दुनिया भर के किसानों को स्मार्ट, सुलभ और संधारणीय मशीनीकरण समाधान प्रदान करने के माध्यम से विश्व भर में अपनी मजबूत जड़ें जमाने की चाह रखता है। टैफे ने परिशुद्ध कृषि प्रौद्योगिकी, स्मार्ट खेती, स्वचालन, विद्युतीकरण और वैकल्पिक ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में कई बड़े निवेश किए हैं, साथ ही पंपचर-रेडी उत्पादों और उत्कृष्ट कृषि समाधान विकसित करने के लिए कई स्टार्ट-अप और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग भी कर रहा है।

उत्तर देहली

ई-निविदा सूचना
वर्कशॉप इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (आई/सी) उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप, यमुनानगर, हरियाणा-136002, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, केवल निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करता है:-

कार्य का नाम	"स्वाचालित सिंग टेंस्ट बेंच, हाइड्रोलिक ट्रॉली और पुशर-पुलर" के सामान के साथ स्क्राटा आधारित अल्टरनेटिव और आयरआर्यू/ईआरयू परीक्षण बेंच की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।		
निविदा प्रकार	खुला	बोली प्रणाली	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा विक्रय समापन तिथि	05.12.2025 को 11:30 बजे	निविदा खपलोज करने की तिथि का समय	12.11.2025 को 10:55
पूर्व-बोली आवश्यक है	नहीं	आज तक प्री-बिड क्लरेी	ना
विज्ञापन मूल्य	₹21,66,326.60 सभी कर जोएसटी आदि सम्मिलित	निविदा अनुभाग	टेंडर एवं वर्क्स / इलेक्ट्रिकल शाखा जगाधरी वर्कशॉप
अंशिम धन	₹43,300/-	ऑफर की वैधता	60 दिन
निविदा दस्तावेज लागत	Nil (अप्रैल 2022 के भाग-I खंड संख्या 3 के अनुसार)	समापन की अवधि	60 दिन
बोली आरंभ तिथि	21.11.2025	बोली समाप्ति तिथि	05.12.2025 को 11:30 बजे तक
निविदा तिथि और समय	उसके बाद किसी भी समय निविदा को बंद किया जा सकता है। निविदाकर्ताओं को उद्घाटन के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है। निविदा बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोलने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है।		
वेबसाइट	www.ireps.gov.in पर जाएं		
सं. 56/डब्ल्यू/इलेक्ट्रिकल/24-25/टी/19/रेल्टेंडिंग बेंच /आरटी			3510/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



जॉब सिक्योरिटी युवाओं को एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।



वेब पत्रकारिता का चमकता भविष्य

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। सूचना और संचार क्रांति के दौर में आज प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच वेब पत्रकारिता का चलन तेजी से बढ़ा है और अपनी पहचान बना ली है। अखबारों की तरह वेब पत्र और पत्रिकाओं का जाल, अंतरजाल पर पूरी तरह बिछ चुका है। छोटे-बड़े हर शहर से अमूमन वेब पत्रकारिता संचालित हो रही है। छोटे-बड़े सभी शहरों के प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया भी वेब पर हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में थोड़े ही समय में इसने बड़ा मुकाम पा लिया है। हालांकि समर अभी शेष है और भविष्य उज्जवल।

वेब पत्रकारिता को पेशा बनाने वालों के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

- हिंदी इनस्क्रिप्ट की बोर्ड की जानकारी हो।
- यूनिकोड फॉन्ट तकनीक पर काम करें।
- वेब पत्रकारिता के समाचार सूचनापरक होना चाहिए, वाक्य छोटे होने चाहिए।
- सर्व ईजन का की-वर्ड समाचार में कम से कम दो-तीन बार जरूर लायें।
- कुछ की-वर्ड समाचार के हेड-लाईन में भी जरूर लायें।
- समय का ख्याल रखें- आज, कल और परसो से बचें।
- संस्था का नाम भी समाचार में जरूर लायें।
- तीसरे या चौथे पेराग्राफ के बाद समाचार का बैक-ग्राउंड दें।
- ट्रस्वीरें और ग्राफिक से पेज को सजायें।
- संदर्भ और स्रोत का भरपूर उपयोग करें।

क्या होती है वेब पत्रकारिता

जिस प्रकार अखबारों, पत्रिकाओं में खबरों के चयन, संपादन या लेखन होते हैं। यही कार्य यदि इंटरनेट पर किया जाता है तो वेब पत्रकारिता कहलाता है।

खुबियाँ

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। पहले जहां इंटरनेट कम्यूटर तक सीमित था, वहीं नई तकनीकों से लेस मोबाइलों, स्मार्ट फोन और टैब में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा। किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह वेब पत्रकारिता का ही कमाल है कि आप दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी भाषा में, किसी भी दिन और किसी भी देश का अखबार या खबरें पढ़ सकते हैं। यह खबरों का तीव्र माध्यम के रूप में भी स्वीकारा गया है।

चुनौती और समस्या

पहली बड़ी चुनौती कम्यूटर साक्षरता दर की है। दूसरी चुनौती भारत में अभी भी वेब पत्रकारिता की पहुंच अगली पंक्ति में खड़े लोगों तक ही सीमित है। इधर के दिनों में यह मध्यम वर्ग तक भी आया है।



वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है।

जहां तक अंतिम कतार में खड़े लोगों तक पहुंचने की बात है तो अभी यह कोसों दूर है। हालांकि अंतरजाल मुहैया कराने वाली कंपनियों ने मोबाइल फोन और ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया है और इंटरनेट अब गांवों तक पहुंच गया है। तीसरी चुनौती पत्रकारों के समक्ष तकनीकी ज्ञान की है। अन्य चुनौती के रूप में वेब पत्रकारिता में सबसे बड़ा सवाल विश्वसनीयता को लेकर भी है। आज लोगों को इतनी जगहों से समाचार मिल रहे हैं कि लोगों के लिए समाचारों की विश्वसनीयता एक बड़ा मुद्दा है। यह वेब पत्रकारिता के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य

आज वेब-संस्करण चलाने वाली समाचार-पत्र और पत्रिकाओं की संख्या कम है। भविष्य में हर पत्र-पत्रिका ऑन-लाईन होगी। साथ ही साथ स्वतंत्र न्यूज पोर्टल की संख्या में भी वृद्धि होगी। यह आसार लगाया जा रहा है कि समाचार-पत्र घाटे से बचने के लिए प्रिंट संस्करण बंद कर ऑन-लाईन से अपनी सेवा जारी रखेगा। बात स्पष्ट है कि जिस पत्र का लक्षित समूह उच्च वर्ग है और जिनके पास इंटरनेट आसानी से उपलब्ध है, वह धीरे-धीरे प्रिंट संस्करण बंद कर पूर्ण रूप से ऑन-लाईन हो जायेगा।

विस्तृत दायरा

वेब पत्रकारिता की पहुंच एक निश्चित भौगोलिक सीमा तक नहीं है अपितु इसकी पहुंच वैश्विक है। वेब पत्रकारिता करने वालों का दायरा बहुत बड़ा हो जाता है। उनकी खबर एक पल में सारी दुनिया में पहुंच जाती है जो कि अन्य समाचार माध्यमों में संभव नहीं है।



एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस में स्कोप

जब पैकेज की बात आती है, तो एमबीए सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक के रूप में सामने आता है। तेज गति से हो रहे विकास और आर्थिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए ऐसे पाठ्यक्रमों की जरूरत महसूस हो रही है, जो विद्यार्थियों को इन बदलते हालात के अनुसार तैयार कर सकें। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस जैसे कोर्स सामने आए हैं। यदि कोई विद्यार्थी मैनेजमेंट में रुचि रखता है और दुनिया भर में घूमने का इरादा भी रखता है, तो उसके लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है।

क्या है एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस ?

बढ़ते भूमंडलीकरण और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए इंटरनेशनल बिजनेस से जुड़े पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। अनेक कंपनियां, जो विदेशों में अपना व्यवसाय फैलाना चाहती हैं, ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में रहती हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिजनेस संभालने में कुशल हों और साथ ही किसी बिजनेस के लिए उपयोगी सिद्धांतों व अवधारणाओं से अवगत हों। विदेशों में व्यवसाय फैलाने में कई तरह के जोखिम होते हैं। इसलिए कंपनियां ऐसे उम्मीदवारों को ही पसंद करती हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल बिजनेस पढ़ा है।

यह कोर्स ग्लोबल स्तर पर मौजूद संसाधनों की समझ विकसित करता है। इसमें यह सिखाया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय फर्मों की क्या जरूरतें होती हैं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। करियर के लिहाज से इसमें उपलब्ध अवसर और एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस की

डिग्री वाले उम्मीदवारों को मिलने वाला पैकेज इस फील्ड को बेहद आकर्षक बना देता है। साथ ही इसमें दुनिया के विभिन्न देशों में घूमने और जहां भी अच्छा ऑफर मिले, वहां बस जाने का मौका मिल सकता है। इंटरनेशनल बिजनेस में एमबीए करने के बाद आपके लिए विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों हेतु काम करने के द्वार खुल जाते हैं। आपका अंतरराष्ट्रीय बाजार और आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी तमाम जानकारी प्राप्त हो सकती है।

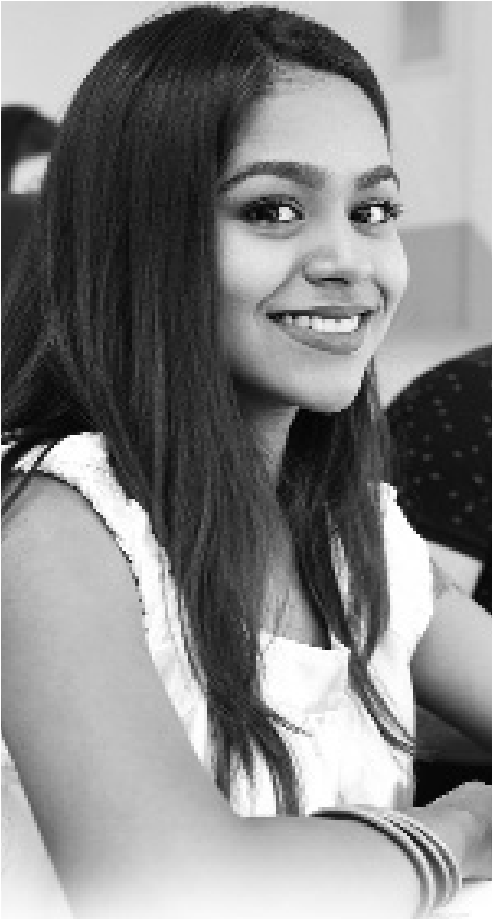
यहां से करें कोर्स

यह कोर्स कराने वाले प्रमुख भारतीय संस्थान हैं - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरनेट ट्रेड, जेके बिजनेस स्कूल, एशियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, एशिया-पैसिफिक स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटप्राइज, सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट आदि। इन भारतीय संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है। इसके अलावा यह डिग्री कराने वाले प्रमुख विदेशी संस्थान इस प्रकार हैं - आईएनएसईएडी (सिंगापुर), हारवर्ड बिजनेस स्कूल (अमेरिका), व्हार्टन स्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिलवेनिया (अमेरिका), लंदन बिजनेस स्कूल (ब्रिटेन) आदि।

कहां मिलेगी जॉब ?

एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस कर चुके उम्मीदवारों को जॉब देने के मामले में अग्रणी भारतीय कंपनियां इस प्रकार हैं - कॉग्निजेंट, कैपजिमिनी, विप्रो, भारतीय एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस आदि। विदेशी संस्थानों की बात करें तो यहां आपको अच्छे ऑफर मिल सकते हैं-यूएस डिपार्टमेंट ऑफ कॉर्म्मर्स, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, इंटरनेशनल ट्रेड कमिशन, बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, वॉलमार्ट, जेपी मॉर्गन, मर्क आदि।

क्या सिविल सर्विसेस आपका पैशन है?



यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें

क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं ?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं ?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती

है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराएं।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं ?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके जो अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपकी डीप स्टडी में रुचि है ?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके

लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं ?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिंसीजन मेकर बनने और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है ?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए

यह परीक्षा देने जा रहे हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है ?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोएं और धैर्य के साथ ही काम करें और निर्णय लें, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और सार्वजनिक उपयोग की परियोजनाएं तय मानकों और गुणवत्ता के साथ निर्धारित अवधि में हों पूरी, प्रगति डैशबोर्ड पर हो नियमित निगरानी - मुख्यमंत्री

● परियोजनाओं में देरी से बड़ी लागत को गंभीरता से लें, सम्बंधित अधिकारियों की तय हो जवाबदेही

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वर्ष शुरू किये गए सभी बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और सार्वजनिक उपयोग की परियोजनाएं को तय मानकों और गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके। साथ ही, सभी संबंधित विभाग ऐसी सभी परियोजनाओं की मासिक समीक्षा रिपोर्ट नियमित रूप से तैयार करें और उसे प्रगति डैशबोर्ड पर अपलोड करें। इससे न केवल परियोजनाओं की पारदर्शिता बनी रहेगी बल्कि उनके क्रियान्वयन की गति पर भी निरंतर निगरानी रखी जा सकेगी।

मुख्यमंत्री आज यहां राज्य प्रगति डैशबोर्ड की बैठक में 75 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली मेगा परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।



मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में देरी के कारण अनुमानित लागत में वृद्धि होती है, उसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए । उन्होंने कहा कि सभी विभाग परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को तत्परता से दूर करें और विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें ताकि जनता

को इन सुविधाओं का लाभ समय पर मिल सके।

बैठक में जानकारी दी गई कि जींद में निर्माणाधीन राजकीय मेडिकल कॉलेज का लगभग 91 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है और इसे अगले वर्ष दिसंबर माह के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसी प्रकार, अंबाला छावनी में बन रहे 'आजादी की पहली लड़ाई' के शहीद स्मारक का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका

है, जिसे जनवरी 2026 तक पूरी तरह से तैयार कर लिया जाएगा।

राज्य सरकार सभी विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार जनता के हित में सभी विकास परियोजनाओं को

समय पर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने राज्य प्रगति पोर्टल अन्य मेगा परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की, जिनमें युद्ध स्मारक स्टेडियम, अंबाला का उन्नयन, बी.के. (सिविल) अस्पताल, फरीदाबाद के परिसर में मातृ एवं शिशु अस्पताल और सेवा ब्लॉक का निर्माण, फरीदाबाद जिले में दिल्ली अगरा रोड एनएच-19 से दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे वाया बल्लभागढ़ मोहना रोड तक 2 लेन के पेव शोल्टर युक्त 4 लेन एलिवेटेड रोड का निर्माण, नूंह में पुराने सीएचसी परिसर में 100 बिस्तरों वाले जिला नागरिक अस्पताल व निर्माण और भारत सरकार के साथ एक संयुक्त उद्यम (एकेआईसी के तहत) एनआईसीडीसी हरियाणा एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर, हिसार का निर्माण शामिल है।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक, मकरंद पांडुरंग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

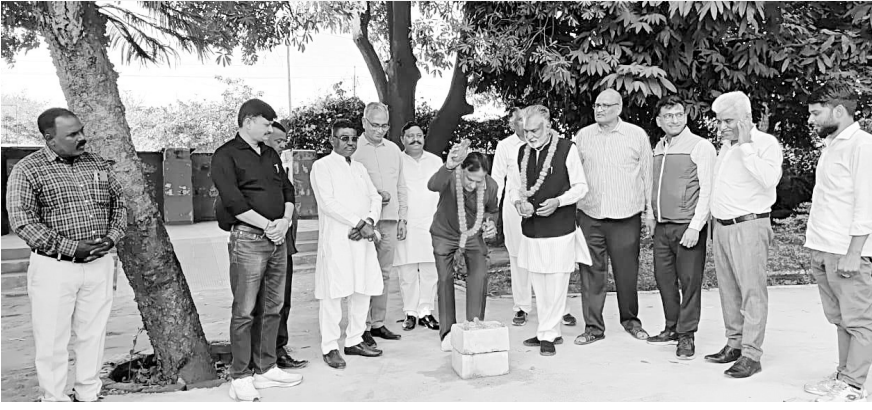
36वीं अखिल भारतीय डाक कबड्डी प्रतियोगिता 2025-26 में हुए रोचक मुकाबले

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा डाक परिमंडल द्वारा कुरुक्षेत्र में आयोजित 36वीं अखिल भारतीय डाक कबड्डी प्रतियोगिता 2025-26 के तीसरे दिन रोचक मुकाबले हुए। इस प्रतियोगिता में विभिन्न डाक परिमंडलों की 11 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता 14 नवंबर तक चलेगी।

हरियाणा परिमण्डल अंबाला के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल सचिन किशोर ने बताया कि आंध्र प्रदेश बनाम पश्चिम बंगाल के बीच हुए मुकाबले में तमिलनाडु 34-15 से विजयी रहा। सभी 11 टीमें पांच दिनों की अवधि में कुल 28 मैच खेलेंगीं। टूर्नामेंट के सेमी-फाइनल मैच 13 नवंबर 2025 को और फाइनल मैच 14 नवंबर 2025 तक खेला जाएगा।



● आशियाना प्लैटैस में सड़क , फुटपाथ और पार्क ट्रैक निर्माण से लोगों को मिलेगी सुविधा



महापौर गोयल ने वार्ड 15 के पार्क नंबर 2006 में ईपीडीएम (ईपीडीएम) ट्रैक निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस ट्रैक के बनने से पार्क में आने वाले लोगों को सुबह–शाम सेर करने में सुविधा मिलेगी और बुजुर्गों तथा बच्चों को फिसलन रहित सुरक्षित मार्ग मिलेगा। वार्ड पाषंड सुशील गर्ग ने कहा कि यह कार्य लंबे समय से लोगों की मांग में शामिल था और इसके

पूरा होने से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा।

महापौर ने इसके साथ ही वार्ड नंबर 14, सेक्टर–20 के आशियाना प्लैटैस में सड़क और फुटपाथ की रिपेयर के कार्य का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शहर के पुराने सेक्टरों में सड़क और नालियों की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। इस मौके पर वार्ड पाषंड गौतम प्रसाद ने महापौर का धन्यवाद

किया और कहा कि इन कार्यों से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

इस दौरान स्थानीय निवासियों ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा चल रहे रंग-रंगन और

अन्य अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करवाने की मांग भी रखी। महापौर गोयल ने आश्वासन दिया कि नागरिक सुविधाओं के विकास में कोई काम नहीं छोड़ी जाएगी और सभी परियोजनाएं समय पर पूरी की जाएंगी।

छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2024 के अंतर्गत हरियाणा को तीसरे सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में किया नामित - श्रुति चौधरी

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य भर में सतत और समावेशी जल प्रबंधन की दिशा में सामूहिक प्रयासों को मिली और मजबूती

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा घोषित प्रतिष्ठित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2024 में हरियाणा को ‘सर्वश्रेष्ठ राज्य (तृतीय स्थान)’ के रूप में मान्यता दी गई है, जो एकीकृत और सतत जल प्रबंधन में राज्य की अनूकरणीय उपलब्धियों को रेखांकित करता है।

सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री ने कहा कि 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2024 का नामांकन सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हरियाणा द्वारा फरवरी, 2025 में प्रस्तुत किया गया था, जिसकी जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग और केंद्रीय भूजल बोर्ड के अधिकारियों वाली प्राइड टूरिंग टीम द्वारा जून, 2025 में जांच की गई थी। राज्य द्वारा प्रस्तुत प्राइड टूरिंग रिपोर्ट और पुरस्कार आवेदन के आधार पर पुरस्कार को अंतिम



के कार्यान्वयन से प्रेरित है, जिसने वैज्ञानिक, डेटा-संचालित और भागीदारी दृष्टिकोण के माध्यम से

बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्यों ने प्ले स्कूलों से संबंधित विषयों पर की बैठक की अध्यक्षता

हिन्द जनपथ पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री अनिल कुमार एवं श्री श्याम सुंदर ने आज लघु सचिवालय में प्ले स्कूल से संबंधित मुद्दों पर आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं जिले के प्ले स्कूल संचालकों ने भाग लिया।

बैठक में आयोग के सदस्यों ने सभी संचालकों को सुरक्षित स्कूल वाहन नीति का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी परिस्थिति में नियमों की अवहेलना स्वीकार्य नहीं होगी।

आयोग ने इस बात पर बल दिया कि सभी प्ले स्कूलों को मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य है। जो भी व्यक्ति या संस्था प्ले स्कूल का संचालन करना चाहती है, उन्हें अपने जिले के जिला कार्यक्रम अधिकारी से मान्यता लेना आवश्यक है। अधिक जानकारी एवं प्रक्रिया संबंधी मार्गदर्शन के लिए डीपीओ कार्यालय या जिला बाल संरक्षण अधिकारी, पंचकूला से संपर्क किया जा सकता है।

आयोग ने कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिया कि जिले में बिना अनुमति चल रहे प्ले स्कूलों की पहचान की जाए, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर मान्यता प्राप्त करने को कहा जाए, और यदि निर्धारित समय के बाद भी वे मान्यता नहीं लेते हैं तो ऐसे प्ले स्कूलों के संचालन को बाल अधिकारों के उल्लंघन के रूप में बंद किया जाए।

न्यूज डायरी

दिल्ली ने गुजरात को 44-9 अंकों से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा डाक परिमंडल द्वारा कुरुक्षेत्र में आयोजित 36वें अखिल भारतीय डाक कबड्डी प्रतियोगिता 2025-26 के तीसरे दिन रोचक मुकाबले हुए। इस प्रतियोगिता में विभिन्न डाक परिमंडलों की 11 टीमें भाग ले रही है। प्रतियोगिता 14 नवंबर तक चलेगी।

हरियाणा परिमण्डल अंबाला के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल सचिन किशोर ने बताया कि आंध्र प्रदेश बनाम पश्चिम बंगाल के मैच में आंध्र प्रदेश 40-22 से विजयी रहा। महाराष्ट्र बनाम तेलंगाना के बीच हुए मुकाबले में महाराष्ट्र ने 25-21 अंकों के साथ जीत दर्ज की। कर्नाटक बनाम तमिलनाडु के बीच हुए मैच में कर्नाटक ने 40-16 अंकों से हराया। उन्होंने बताया कि हरियाणा बनाम केरल के बीच हुए मैच में हरियाणा की 42-26 अंकों के साथ विजयी रही। दिल्ली बनाम गुजरात के बीच हुए मुकाबले में दिल्ली ने 44-09 अंकों से एकतरफा जीत दर्ज की।

तमिलनाडु बनाम दिल्ली के बीच हुए मैच में तमिलनाडु 34-15 से विजयी रहा। महाराष्ट्र बनाम पंजाब के बीच हुए मैच में महाराष्ट्र ने 32-21 अंकों के साथ जीत दर्ज की। तेलंगाना बनाम केरल के बीच हुए मुकाबले में तेलंगाना की टीम 53-11 अंकों से जीती। उन्होंने बताया कि कर्नाटक बनाम पश्चिम बंगाल के बीच हुए मैच में कर्नाटक 16-06 से विजयी रहा। पश्चिम बंगाल बनाम दिल्ली का मैच कड़े मुकाबले के साथ 19-19 अंकों की बराबरी पर रहा। आंध्र प्रदेश बनाम गुजरात का मैच आंध्र प्रदेश ने 20-11 अंकों से जीता।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु बनाम गुजरात के बीच हुए मुकाबले में तमिलनाडु 11-05 से विजयी रहा। सभी 11 टीमें पांच दिनों की अवधि में कुल 28 मैच खेलेंगीं। टूर्नामेंट के सेमी-फाइनल मैच 13 नवंबर 2025 को और फाइनल मैच 14 नवंबर 2025 तक खेला जाएगा।

राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाएं 15 दिसंबर तक कर सकती आवेदन

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कारों हेतु 15 दिसंबर, 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है और यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 माच को प्रदान किया जाता है।

विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इन पुरस्कारों में श्रीमती सुषमा स्वराज अवार्ड के तहत 5 लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, इंदिरा गांधी अवार्ड के तहत 1 लाख 50 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, कल्पना चावला अवार्ड के तहत 1 लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, बहान शत्रो देवी पंचपाती राज पुरस्कार के तहत 1 लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, वुमेन अचीवर्स पुरस्कार के तहत 51000 रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, एएनएम/नर्स/महिला एमपीएचडब्ल्यू, महिला खिलाड़ी पुरस्कार, सरकारी कर्मचारी पुरस्कार, सामाजिक कार्यकर्ता पुरस्कार, महिला उधमी पुरस्कार, स्त्री शक्ति पुरस्कार, आगनवाड़ी वर्कर पुरस्कार के तहत 21000 रुपये एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इन पुरस्कारों के लिए आवेदन के लिए आवेदक अपना संपूर्ण बायोडेटा सहित संबंधित खंड महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी या सम्बंधित जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में 15 दिसंबर, 2025 तक जमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://wcdhry.gov.in/ पर विजिट करते हुए पुरस्कार के लिए योग्यताएं और शर्तें डाउनलोड की जा सकती हैं।

हरियाणा ने बढ़ाई कारोबारी सुगमता 9 प्रमुख सुधार लागू, 13 पर काम जारी

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा ने निवेशकों के लिए अनूकूल माहौल बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। राज्य सरकार ने अपने विनियमन-मुक्ति (डोरियुलेशन) अभियान के तहत 9 प्रमुख सुधार लागू कर दिए हैं, जबकि 13 अन्य सुधारों को तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष के अंत तक सभी 23 सुधारों को पूर्ण करना है, जिससे प्रदेश में उद्योग और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

कैबिनेट सचिवालय के विशेष सचिव श्री के.के. पाठक और हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की संयुक्त अध्यक्षता में आज यहां हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में इन सुधारों पर प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में नगर एवं ग्राम आयोजना, श्रम, उद्योग एवं वाणिज्य तथा हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तुतियां दीं श्री के.के. पाठक ने अनुपालन बोझ कम करने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और शासन में डिजिटल पारदर्शिता को बढ़ावा देने संबंधी सुधारों को लागू करने के लिए हरियाणा के प्रयासों की सराहना की।

नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग ने मिश्रित उपयोग (मिक्स्ड यूज़) विकास की अनुमति देते हुए जोनिंग को अधिक लचीला बनाया है। इससे एक ही जोन में आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियां संचालित की जा सकेंगी। साथ ही, इंडिया इंडस्ट्रियल लैंड बैंक (आईआईएलबी) से एकीकृत जीआईएस आधारित औद्योगिक भूमि डेटाबैंक भी शुरू किया गया है, जिससे निवेशकों को औद्योगिक प्लॉटों की पहचान और आवेदन में आसानी होगी।

भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) प्रक्रिया को सरल बनाने हुए आवश्यक दस्तावेजों की संख्या 19 से घटाकर केवल तीन कर दी गई है। अब इसके लिए स्वामित्व प्रमाण, परियोजना रिपोर्ट और क्षतिपूर्ति बांड की ही आवश्यकता होगी। औसत स्वीकृति समय अब घटकर 36 दिन रह गया है। ग्रामीण उद्योगों के लिए न्यूनतम सड़क चौड़ाई को घटाकर 20 फुट करने का प्रस्ताव विचाराधीन है।

सीनियर सैकेण्डरी शैक्षिक व मुक्त विद्यालय पूरक परीक्षा का परिणाम घोषित

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा सितम्बर/अक्तूबर-2025 में आयोजित करवाई गई सीनियर सैकेण्डरी शैक्षिक व मुक्त विद्यालय पूरक परीक्षा का परिणाम आज घोषित कर दिया गया है। यह परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.bsche.org.in पर आज से देखा जा सकता है।

इस आशय की विस्तृत जानकारी देते हुए बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि सीनियर सैकेण्डरी शैक्षिक पूरक परीक्षा का परिणाम 64.26 प्रतिशत रहा। इस परीक्षा में 4,096 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए थे, जिनमें से 2,632 उत्तीर्ण हुए तथा 1,197 परीक्षार्थियों को कम्पार्टमेंट आयी है। उन्होंने बताया कि परीक्षा में 2,689 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें 62.66 पास प्रतिशतता के साथ 1,685 छात्र पास हुए। इसके अतिरिक्त परीक्षा में प्रविष्ट हुई 1,407 छात्राओं मे से 67.31 पास प्रतिशतता के साथ 947 छात्राएं पास हुई। इस परीक्षा में जिला पानीपत 80.98 पास प्रतिशतता के साथ थपथम स्थान पर तथा जिला यमुनानगर 48.94 के साथ सबसे निचले पायदान पर रहा।

किसानों को एग्रो फारेस्ट्री पर जोर देना होगा तभी धरती की सेहत ठीक रहेगी-गणवीर धम्मशील

निकलकर खेत की मेड़ तक जाना चाहिए । हमारे देश की परंपरा प्रकृति हितैषी की रही है हम ऐसी खेती परंपरा को अपनाये जहां जल, जंगल जमीन की रक्षा हो और मनुष्य समकालीन बिमारियों का शिकार न होना पड़े।

वरिष्ठ पत्रकार अजीत सिंह ने कहा कि आज समाज को जागरूक करने में मीडिया एक बड़ा योगदान है।

- कृषि ज्ञान है विश्वविद्यालय से निकलकर खेत की मेड़ तक जाना चाहिए-हरवीर सिंह**
- मनुष्य का स्वर वह भी प्रकृति का स्वर-वन्दना झा**

सोसल मीडिया के जरिये ऐसे आयोजनों का प्रचार-प्रसार होना चाहिए।

कलाकारों से संवाद करते हुए हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य सोनिया त्रिखा ने कहा कि मनुष्य को कलायें सृजन की ओर ले जाती हैं। कला का निर्माण होते देखना ऐसा महसूस होता है कि हमारी सभ्यता कैसे विकास की राह पर जा रही है उन्होंने पुस्तक मेंले में सभी स्टलों का भ्रमण किया और एक-एक प्रकाशक से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि आप किताबें बेचने नहीं



विद्युत उत्पादन से राष्ट्र का सशक्तिकरण



एक सतत् एवं समावेशी भविष्य के लिए हमसे जुड़ें।
आइए मिलकर प्राकृतिक ऊर्जा को अपनाएं, नवाचार को आगे बढ़ाएं
और एक उज्ज्वल, हरित भविष्य का निर्माण करें।

पंजीकृत कार्यालय : शक्ति सदन, कारपोरेट ऑफिस काम्प्लैक्स,
शनान, शिमला-171006, हिमाचल प्रदेश (भारत)

सम्पर्क कार्यालय : ऑफिस ब्लॉक, टॉवर-1, 6वीं मंजिल,
एनबीसीसी कॉम्प्लैक्स, ईस्ट किडवई नगर, नई दिल्ली-110023

एसजेवीएन लिमिटेड
SJVN LIMITED

(भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)

‘एक नवरत्न सीपीएसई’

www.sjvn.nic.in

f @Sjvnlimited X @Sjvnlimited i @sjvnlimited